जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 7 सितम्बर, 2025

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

गरीबी से मुक्ति हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति व पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

यजुर्विद संहिता का एक महत्वपूर्ण सूत्र है: दारिद्र्यपाशाद्दुरुतो न दुःखम्, शिक्षारोग्येणविमुक्तिरिष्टा। शान्तिप्रकृत्यासहिता च सिद्धिः, नास्त्यत्रमार्गोऽपरतोहिश्रेष्ठः।। तात्पर्य यह है कि गरीबी के बंधन से बड़ा कोई दु:ख नहीं है। शिक्षा और स्वास्थ्य से ही वांछित मुक्ति प्राप्त होती है। शांति और प्रकृति के साथ सिद्धि प्राप्त होती है। इससे बेहतर कोई और मार्ग नहीं है। इसी बात को यहाँ और भी स्पष्ट किया गया है: दारिद्र्यादधिकः निःसन्देहंनास्ति, तस्यविमुक्तयेशिक्षारोग्यशान्तिपर्यावरणानि श्रेष्ठानि साधनानि, अन्येषांन्यूनत्वात्। तात्पर्य यह है कि गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं है, और उससे मुक्ति दिलाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से श्रेष्ठ कोई उपाय नहीं देखा जाता। आज की चर्चा पुन: इसी विषय पर है।

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में शुरू हुआ जहाँ अकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्राय: उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे। मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है, बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया।

शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई, जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है, और यही निर्मल मन व्यक्ति के समग्र कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया, जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार हैं, और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार, मेरी कहानी आपको यह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पाने हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण कोसाथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समग्र समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं, बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है, तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं। मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नित की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिलजुल कर किया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए।

शिक्षा और कौशल का महत्व तो जगजाहिर है। इससे न केवल ज्ञान और कौशल प्राप्त होते हैं, बल्कि उसे आत्मनिर्भरता की एक महत्वपूर्ण शर्त है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरीहेतु सही निर्णय ले सकता है।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है।

> **यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।**

शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में, व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसर प्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती है उसमें सतत विकास की संभावनाएं घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलत:, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है।

गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ–साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है, प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है, और स्वच्छ जल, वायु और मृदा प्रदान करता है। इस प्रकार, पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रों के साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए, गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संचय, जैव–विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढीकरण भी करते हैं।

इन चारों स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण – को सुदृढ़ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाले बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं, बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप में हमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समठा विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है, स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं, पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है, और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्तनिष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं। इससे न केवल हमारे देश की समग्र उन्नति सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समग्र दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिए हमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध–आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके। अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

खोया पाया की समीक्षा, पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना से राम जल सेतु तक

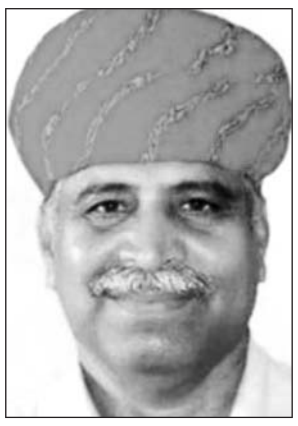

रामपाल जाट

'भाखड़ा मैनेजमेंट बोर्ड' में पंजाब तथा हरियाणा के एक–एक सदस्य हैं किंतु राजस्थान का कोई सदस्य नहीं है। जबकि राजस्थान इसके लिए निरंतर प्रयासरत है। हरिके बैराज पर नियंत्रण नहीं होने से राजस्थान की भागीदारी के पानी में भी अनेक बार कटौती की जाती है। 'इंदिरा गांधी नहर परियोजना' में 8.6 एमएएफ पानी में से राजस्थान को 7.59 एमएएफ पानी ही प्राप्त हो रहा है। राजस्थान की भागीदारी का 0.6 एमएएफ पानी नहीं प्राप्त नहीं हो रहा है। इसके अतिरिक्त जब भी पानी की आवक में कमी होती है तो हरिके बैराज पर पंजाब का नियंत्रण होने से राजस्थान की भागीदारी का पानी कम कर दिया जाता है। राजस्थान निचले भाग (डाउनस्ट्रीम) में होने से सदैव ही पानी प्राप्त करने में घाटे में रहता है। इसी प्रकार नोहर सिद्धमुख नहर से 0.47 एमएएफ पानी प्राप्त होना था किंतु उसमें से 0.30 एमएएफ पानी ही प्राप्त हो रहा है एवं 0.17 एमएएफ हरियाणा ने रोक रखा है। परिणामत: राजस्थान के नोहर, भादरा एवं सिद्धमुख क्षेत्र को पानी की आपूर्ति से वंचित रहना पड़ता है।

राजस्थान एवं हरियाणा के मध्य यमुना जल हथिनी कुंड पर 577 तथा ओखला हेड पर 386 मिलियन घन मीटर पानी राजस्थान की भागीदारी में आया था किंतु 30 वर्ष उपरांत भी अभी तक यह पानी भी राजस्थान को प्राप्त नहीं हुआ है। गुड़गांव नहर की क्षमता में बढ़ोतरी का समझौते का ज्ञापन–अनुबंध (एमओयूए) होने पर भी हरियाणा ने अभी तक अपनी सहमति व्यक्त नहीं की है। इसी प्रकार राजस्थान और हरियाणा तथा भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के मध्य 17 फरवरी 2024 को यमुना जल के वितरण के लिए हथिनी कुंड पर 577 मिलियन घन मीटर पानी ताजेवाला हेड से भूमिगत पाइपलाइन द्वारा चुरु, झुन्झुनू एवं अन्य जिलों को सिंचाई –पेयजल का पानी जुलाई से अक्टूबर की अवधि में देने का एमओयू होने के उपरांत भी हरियाणा ने यमुना बेसिन में तीन स्थान रेणुकाजी, लखवार एवं किशु पर पानी के संग्रहण की व्यवस्था कर ली है।

बांसवाड़ा जिले में स्थित माही बांध में गुजरात की 40 प्रतिशत तथा राजस्थान की भागीदारी 16प्रतिशतआरम्भिक रूप से थी। वर्ष 1966 के समझौते के अनुसार गुजरात के खेड़ा जिले में नर्मदा का पानी आ जाने के उपरांत राजस्थान की भागीदारी 40 प्रतिशत तथा गुजरात की भागीदारी 16 प्रतिशत रह जाती है। इस समझौते के अनुसार वर्ष 2006 में नर्मदा का पानी खेड़ा जिले को प्राप्त हो गया किंतु 19 वर्षों में भी राजस्थान की भागीदारी का 40 प्रतिशत पानी अभी तक राजस्थान को प्राप्त नहीं हुआ है।

'दूध का जला छाछ भी फूंक फूंक कर पीता है' इन्ही कटु अनुभवों के आधार पर चंबल सहित राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में बहने वाली नदियों के जल बंटवारे को लेकर 3 जून 1999 को दोनों राज्यों के मध्य लिखित समझौता हुआ। उस समय मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत थे। इसका अनुमोदन 25 अगस्त 2005 को किया गया था। तब राजस्थान में मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर थे। यह सुखद आश्चर्य है कि समझौता करने वाले दोनों मुख्यमंत्री कांग्रेस के थे तथा अनुमोदन करने वाले दोनों मुख्यमंत्री भाजपा के थे। इनमें से किसी ने भी छोटा मन नहीं रखा वरन् दलीय राजनीति से ऊपर उठकर जनहित के कार्य में उत्साहपूर्वक सकारात्मकता का प्रदर्शन किया। इस समझौते के बाद ही मध्य प्रदेश में काली सिंध नदी पर मोहनपुरा एवं कुंडालिया बांधों का निर्माण कराया गया। इन कार्यों के लिए मध्य प्रदेश ने विश्व बैंक से ऋण लिया था। उसकी औपचारिकता पूर्ण करने के लिए राजस्थान के जल संसाधन विभाग के तत्कालीन प्रमुख शासन सचिव ने अनापत्ति दी थी। उक्त समझोते के अनुसार मध्य प्रदेश को अनापत्ति की आवश्यकता नहीं थी, इसलिए उन्होंने कार्य पहले ही आरंभ कर दिया था।

दोनों राज्यों की जनता के हित में यह विलक्षण समझौता धरातल पर आया था। जिसमें प्रत्येक राज्य को अपनी भूमि पर बांध या उस जैसा कोई भी निर्माण अपनी भूमि पर करने, अपने राज्य के कैचमेंट एरिया के पानी का उपयोग के आधार पर परियोजना तैयार करने तथा दूसरे राज्य के कैचमेंट एरिया के 10३ से अधिक पानी का उपयोग नहीं करने पर अनापत्ति की आवश्यकता समाप्त कर दी गई थी। राजस्थान में इसी समझौते के आधार पर स्वयं के नियंत्रण एवं संचालन को दृष्टिगत रखते हुए केंद्रीय जल आयोग की देखरेख में वर्ष 2017 में 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना' का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया था।

देश के प्रधानमंत्री की धारणा के अनुसार पानी का महत्व राजस्थान से अधिक कोई नहीं जानता. इसलिए जलशक्ति मंत्रालय की कमान राजस्थान को सौंपी गयी थी। वर्ष 2019 से लेकर 2024 तक की अवधि में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री के कारण इस समझौते को शून्य करने की कार्यवाही राजस्थान की जनता को सदैव चुभती रहेगी। राजस्थान की जनता इस प्रकार की जनहित की बलि देने जैसी कार्यवाही करने वालों को कभी क्षमा नहीं करेगी। राजस्थान का नियंत्रण एवं संचालन में बाधा उत्पन्न करने तथा राजस्थान को प्राप्त होने वाले पानी की मात्रा को कम करना राजस्थान की जनता के साथ अन्याय है।

पार्वती–कालीसिंध चम्बल लिंक परियोजना पर तैयार नये प्रारूप में इस परियोजना में कुन्नू बेसिन के पानी को राजस्थान से काटकर मध्य प्रदेश को दे दिया गया है। इसके बदले में पार्वती नदी से पानी लिया जाना प्रस्तावित है। मध्यप्रदेश एव राजस्थान के लिए कुन्नू और पार्वती से पानी प्राप्ति हेतु 75 प्रतिशत निर्भरता का प्रावधान किया गया है। इससे 50 प्रतिशत निर्भरता की अपेक्षा प्राप्त पानी की मात्रा आधी रहेगी। क्योंकि 50 प्रतिशत निर्भरता के अनुसार 4 वर्ष में से 2 वर्ष पानी का संठाहण किया जा सकता है। जबकि 75 प्रतिशत निर्भरता के अनुसार 4 वर्ष में से 1 वर्ष ही पानी का संग्रहण किया जाएगा। कुन्नू नदी का पूर्ण पानी मध्यप्रदेश को प्राप्त होगा जबकि पार्वती नदी में दोनों प्रदेशों की भागीदारी होने एवं मध्य प्रदेश के ऊपरी बेसिन (अप स्ट्रीम) होने के कारण राजस्थांन को प्राप्त होने वाले पानी की कटौती की सम्भावना बनी रहेगी। वैसे भी पार्वती नदी पर मध्य प्रदेश सात से अधिक परियोजनाएँ तैयार कर चुका है। इनमें सोनचिरी, रामवासा, बकोरा, पदुनिया, सेवरखेड़ी, सेकरी एवं सुल्तानपुर आदि है। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश के बीच किया गया समझौता ज्ञापन–अनुबंध (एमओए) समानता पर आधारित नहीं होने के कारण न्याय संगत नहीं है। मध्य प्रदेश में काली सिंध नदी पर 2013–14 से 2018–19 तक मोहनपुरा एवं कुंडालिया बांध बना लिए थे। अब पार्वती नदी पर पातनपुर बांध का निर्माण कार्य चल रहा है। इन बांधों के द्वारा 1100 मिलियन घन मीटर पानी तो मध्य प्रदेश ने पहले ही सुरक्षित कर लिया। इसे सम्मिलित करने पर मध्य प्रदेश को प्राप्त होने वाले पानी की मात्रा 4,742 मिलियन घन मीटर है। जबकि राजस्थान में उपयोग होने वाले पानी की मात्रा 3405 मिलियन घन मीटर है अर्थात 1337 मिलियन घन मीटर पानी मध्य प्रदेश को अधिक आवंटित किया गया है। इस परियोजना के पानी की गणना में पुनर्चक्रित 522 मिलियन घन मीटर पानी को जोड़ना कल्पनावलम्बित होने से रोचक तथ्य है। कल्पना के आधार पर देश में ही नही बल्कि विश्व में भी एसी प्रणाली अब तक धरातल पर नही उतरी है।

मध्य प्रदेश में कुंडालिया तथा मोहनपुरा बांधों का कार्य वर्ष 2018–19 तक 5 वर्षों में पूरा कर लिया गया था। जबकि मूल 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना' का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) वर्ष 2017 में तैयार होने के बाद 8 वर्ष में कार्यपूर्णता की ओर नहीं बढ़ पाया है। बल्कि पेयजल योजनायों के पूर्ण होने का कार्यकाल भी राज्य में वर्ष 2054 तक निश्चित किया गया है। राजस्थान में सिंचाई परियोजना का कार्य मध्यप्रदेश की तुलना में पिछडने का तथ्य स्पष्ट है।

वर्ष 2019 से 2024 तक केंद्र सरकार में जल शक्ति मंत्री ने इस परियोजना को अटकाना, लटकाना एवं प्रधानमंत्री कार्यालय को भटकाना आरंभ रखा, तब धुआं उठा था। अब केंद्र एवं राज्य सरकार के मंत्रियों के कारण इस परियोजना के मूल स्वरूप में आग दिखाई देने लगी है। जिन्होंने पक्षपात नहीं करने की सौगंध खाई थी वे ही पानी की मात्रा घटाने के उपरांत उपयोग बढ़ाने के द्वारा इस परियोजना के लाभान्वितों को संकट में डालने का काम कर रहे हैं। उपलब्धता घटना तथा उपयोग बढ़ना परियोजना को असफलता की ओर धकेलने वाला कदम है। जिस व्यक्ति को कोढ़ की बीमारी हो, उसे खुजली चलने लगे तो सुखचैन समाप्त हो जाता है। सरकार चलाने वाले चुनाव जीतने जैसे निजी स्वार्थ के लिए राज्य के सार्वजनिक हितों के स्थान पर स्वयं के हित की साधना में लग जाए तो आए थे हरिभजन को ओटन लगे कपास जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। मेरा–तेरा का भाव छोटे मनों के कारण होता है। वे अयं निज: परो वेति गणना लघुचेतसाम्, उदारचरितानाम् तु वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को आहत करते हैं। उनके पास न्याय का अवसर आने पर वे अन्याय करते हैं। यही स्थिति राजस्थान में खेत को पानी के उद्घोष को धरातल पर उतारने में हो रही है। ऐसे जन प्रतिनिधि–मंत्रीगण संविधान की सौगंध को मिटाने पर तुले रहते हैं। इसी का परिणाम है कि 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना' के गणितीय वैज्ञानिक आधार पर तैयार मूल स्वरूप को बिगाड़ने पर उतारू हैं। स्वार्थ के अंधेपन के कारण एक दूसरे को पछाड़ने की होड़ लगी हुई है। जिस परियोजना को 3921 मिलियन घन मीटर पानी की उपलब्धता में से 3509.14 मिलियन घन मीटर के उपयोग के आधार पर तैयार किया गया था। उपयोग होने वाले पानी की मात्रा घटाकर 3405 मिलियन घन मीटर कर दी गयी। तदोपरांत भी परियोजना को विस्तारित कर दिया गया, जिससे पानी की आपूर्ति की समस्या उत्पन्न होगी।

इस दिशा में सम्मिलित 26 बांधों के अतिरिक्त पूर्व के बने हुए 15 अन्य बांधों को जोड़ दिया गया। जिसमें पेयजल के मंत्री ने चांदसेन को जुड़वा दिया। इनको देखकर राजस्थान के जल संसाधन मंत्री ने 200 मिलियन हेक्टर पानी के संग्रहण के लिए कृत्रिम बांध के नाम पर पुष्कर में तथा इसी होड़ में केन्द्रीय मंत्री ने 300 मिलियन घन मीटर के अलवर के सरिस्का की पहाड़ियों में कृत्रिम बांध की प्रस्तावना सम्मिलित करा दी। आश्चर्य तो यह है कि चाहत के अनुसार पुराने बांध अस्तित्व में नहीं होने पर भी नये बांध प्रस्तावित कर दिये गये। ऐसी स्थिति में राज्य के मुखिया भी क्यों पीछे रहते, उन्होंने भी परियोजना में सम्मिलित बंध बरेठा से आगे पानी ले जाने के लिए 'सुजान गंगा–भरतपुर लिंक' को जुड़वा दिया। इनके लिए बजट 2024–25 में घोषणा कर दी गई और उसी की अनुपालना में 18 फरवरी 2025 को टेंडर भी कर दिए गए। इसके अतिरिक्त विकास के नाम पर परियोजना के मार्ग में आने वाले 158 छोटे तालाबों की सूक्ष्म सिंचाई विकास परियोजना प्रस्तावित कर दी गई है। पानी की पर्याप्त सुनिश्चित उपलब्धता के परीक्षण के उपरांत इस प्रकार की योजनाए स्वागत योग्य होती है किन्तु पानी की उपलब्धता को घटाने के बाद भी जनप्रतिनिधियों द्वारा परियोजना के मूलस्वरूप को बिगाड़ाना उचित नही कहा जा सकता।

यह राजस्थान के प्रत्येक नागरिक की सदिच्छा है कि उसके 'खेत को पानी' मिले। इसमें कोई असहमत नहीं हो सकता। इसके लिए अधिकाधिक सिंचाई परियोजनाओं की आवश्यकता है। उनके लिए पानी की आवश्यकता 'सिंधु जल समझौते' को निरस्त कर भी पूर्ण की जा सकती है। पूर्व में हुए समझौतों की पालना से इसे संभव किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के विस्तृत भूभाग के वर्षा जल का संग्रहण कर भी 'खेत को पानी' उपलब्ध कराया जा सकता है। इस कठिन कार्य को सरल बनाने के लिए ही जन प्रतिनिधियों, मंत्रियों एवं सरकारों की प्रासंगिकता है। केन्द्रीय मंत्री, राजस्थान सरकार के मुखिया एवं उनके सहयोगी मंत्रीगण से तो पानी प्राप्त करने के उपरांत परियोजनाएं बनाने की आशा एवं आकांक्षा जन सामान्य को रहती है। ये सभी इस कठिन कार्य से बचते हुए तैयार भोजन को ग्रहण करने में तत्परता ही नहीं दिखा रहे हैं बल्कि पानी प्राप्ति के एक से अधिक विकल्प होते हुए भी तैयार ढांचे के मूल स्वरूप को निजी स्वार्थ से प्रेरित होकर बिगाड़ रहे हैं। यह स्थितियां तो तब है जब समाज की सम्रद्धि के लिए सिंचाई परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए उनमे होने वाले अन्यायों को रोकते हुए 'खेत को पानी' देना शासन का है सर्वोपरि धर्म है।

परियोजना का नाम परिवर्तन राम जल सेतु का विरोध तो कोई नहीं करेगा किंतु पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के नाम में यथार्थ का बोध होता था, वैसी स्थिति नए नाम में नहीं है। धरातल की वास्तविक स्थिति की समीक्षा कितनी सही है, इसका आकलन पाठकों पर ही छोड़ना अधिक युक्तिसंगत है।

–रामपाल जाट,
राष्ट्रीय अध्यक्ष, किसान महापंचायत

'शिक्षक की हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है'

■ पूर्वांचल जन चेतना समिति व यूनेस्को ने 74 शिक्षकों का सम्मान किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शिक्षक दिवस के अवसर पर पूर्वांचल जन चेतना समिति व जिला यूनेस्को एसोसिएशन तथा मणी एजुकेशन सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आजाद नगर स्थित पीएफसी गार्डन में आयोजित सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के 71 शिक्षक और शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एवं कवि प्रहलाद पारीक ने की। वहीं मुख्य अतिथि के तौर पर जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) रामेश्वर बाल्दी थे। समारोह में अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के प्रदेश संयोजक गोपाल लाल माली, जिला यूनेस्को एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित अग्रवाल, पूर्व नगर परिषद चेयरमैन मंजू पोखरना, आजाद शर्मा, जवाहर फाउंडेशन के प्रभारी रजनीश वर्मा, मनी एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष विभोर त्रिवेदी मंच पर मौजूद थे। कार्यक्रम सयोजक रजनीश वर्मा ने बताया कि सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के 71 शिक्षक और शिक्षिकाओं को संस्थान की ओर से प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के प्रदेश संयोजक गोपाल लाल माली ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक ही हमारे जीवन के सबसे अहम गुरु होते हैं, जो हमें भविष्य में सही रास्ता दिखाने, मार्गदर्शन करने व जीवन में कुछ बड़ा करने के लिए हमेशा प्रेरित करते हैं। शिक्षक हमारे लिए किसी भगवान से काम नहीं होते हैं। शिक्षक की हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पूर्वांचल जन चेतना समिति के संस्थापक अध्यक्ष रजनीश वर्मा ने संस्था के बारे में जवाहर फाउंडेशन द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत किया जा रहे हैं कार्यों के बारे में भी बताया साथ ही कहा कि पूर्वांचल जन चेतना समिति यूनेस्को के साथ मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करेगी। समारोह में मणी एजुकेशन सोसायटी की सचिव अनुराधा झा के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। जिसमें कई बालिकाओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर जिला यूनेस्को एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश जैन, सचिव जगदीशचंद्र मुंदड़ा, कोषाध्यक्ष विशाल विजयवर्गीय, संगठन मंत्री कमलेश जादू, मणी एजुकेशन सोसाइटी के ऋषि राज, मीडिया प्रभारी बृजेश शर्मा, वैभव जोशी, पूर्वांचल जन चेतना समिति के सदस्य कामेश्वर झा, आकाश झा, फुल झा, शिल्पी, चिराग टेलर, सहित सैकड़ों शिक्षक और शिक्षिकाये व संस्थाओं के सभी पदाधिकारी सदस्य भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन यूनेस्को की प्रवक्ता मधु लोढ़ा ने किया।

अनंत चतुर्दशी पर रणछोड़ मंदिर में अनुष्ठान

डूंगरपुर, (निसं)। अंनत चतुर्दशी के अवसर पर महिलाओं ने घर परिवार के सुख–समृद्धि की कामनाओं के साथ विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का दौर दिन भर चला। शनिवार प्रात: से रिमझिम व मूसलाधार बारिश के बीच बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से जनजाति क्षेत्र की महिलाएं, बालिकाएं, युवक व पुरूष पूजा सामग्री लेकर फौज का बडला स्थित रणछोड़ मंदिर, सुथारवाडा स्थित विश्वकर्मा मंदिर सहित विभिन्न महादेव मंदिरों में पहुंचकर नारियल वधेरा तथा भगवान से सुख–समृद्धि की कामना की। इस दौरान अनंत चतुर्दशी का रक्षा सूत्र धारण किया। धर्म प्रेमियों ने उपवास भी रखा। प्रात: से ही फोज का बडला स्थित रणछोड़ राय मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी।

राशिफल रविवार 7 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, रविवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 9:14 तक, सुकर्मा योग प्रात: 9:22 तक, विष्टि करण प्रात: 6:12 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मिथुन, शुक्र–कर्क, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 12:40 तक है। आज सत्य पूर्णिमा व्रत है। आज से सिंजा माता पूजन आरम्भ (कुमारियों का) होगा। आज गोत्रिमति व्रत समाप्त होगा। आज 24 कोस परिक्रमा और सन्यासियों का चातुर्मास पूर्ण होगा। आज पूर्णिमा और षोष्ठपदि श्राद्ध है। आज खग्रास चन्द्र ग्रहण है। ग्रहण आरम्भ रात्रि 9:57 पर होगा। खग्रास आरम्भ रात्रि 11:01 पर और ग्रहण मध्य रात्रि 11:42 पर होगा। ग्रहण सूतक दिन 12:57 से रात्रि 1:27 पर समाप्त होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:46 से 9:19 तक, लाभ–अमृत 9:19 से 12:25 तक, शुभ 1:58 से 3:31 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:37

मेष

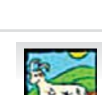

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यक्तिगत सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

वृष

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन

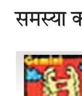

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क

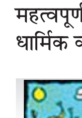

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

सिंह

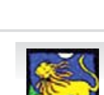

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

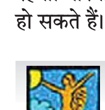

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। पारिवारिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

तुला

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक

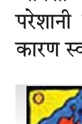

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी।

धनु

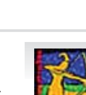

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

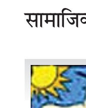

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

कुंभ

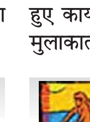

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मीन

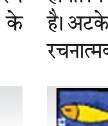

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

My Lovely School Going Days

My sister and I, along with a fellow preschooler, were enrolled at the nearest local school called 'Government High School.' It was around fifteen minutes away in a village called Basgo

Dungarees Dongri

You've Got To See Chausath Yogini Temple

यू.एन. की जनरल असैम्बली को प्रधानमंत्री मोदी स्वयम् सम्बोधित नहीं करेंगे

पहले उपलब्ध कराये गये प्रोग्राम के अनुसार, प्र.मंत्री को 26 सितम्बर को, जनरल असैम्बली को सम्बोधित करना था पर अब परिवर्तित प्रोग्राम के अनुसार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर को नियुक्त किया गया है 21 सितम्बर को जनरल असैम्बली को सम्बोधित करने के लिये

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- **सितम्बर माह की जनरल असैम्बली का सत्र सबसे व्यस्त व महत्वपूर्ण सैशन माना जाता है, तथा 23-29 का समय राष्ट्रध्यक्षों या उनके प्रतिनिधियों द्वारा सम्बोधित करने के लिये आरक्षित रहता है।**
- **सबसे पहले, परम्परागत तरीके के अनुसार, ब्राज़ील जनरल असैम्बली को सम्बोधित करता है, और फिर अमेरिका, राष्ट्रपति ट्रम्प पहले दिन अपना सम्बोधन प्रस्तुत करेंगे।**
- **26 सितम्बर को इज़रायल, चीन, पाकिस्तान व बंगलादेश के राष्ट्रध्यक्ष जनरल एसेम्बली को सम्बोधित करेंगे।**
- **पर, यह भी सच है, कि पूर्व घोषित कार्यक्रम में अंतिम समय तक तब्दीलियां संभव हैं, 23-29 सितम्बर के ''हाई लैवल'' सप्ताह से पहले।**

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस महीने के अंत में होने वाले संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा के वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र की ''जनरल डिबेट'' को संबोधित नहीं करेंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र 9 सितंबर को शुरू होगा। उच्च स्तरीय जनरल डिबेट 23 से 29 सितंबर तक चलेगी। परंपरा के अनुसार, ब्राज़ील सत्र का पहला वक्ता होगा, जिसके बाद अमेरिका का नंबर होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप 23 सितंबर को प्रतिष्ठित महासभा के मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे। यह उनके वाइट हाउस में दूसरे कार्यकाल के दौरान यू एन सत्र को दिया गया पहला भाषण होगा।

80वें सत्र की उच्च स्तरीय जनरल डिबेट के लिए शुक्रवार को जारी अंतरिम वक्ताओं की संस्थाओं सूची के अनुसार, भारत का प्रतिनिधित्व एक मंत्री करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर 27 सितंबर को सत्र को संबोधित करेंगे।

जुलाई में जारी की गई पिछली अंतरिम वक्ताओं की सूची के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को जनरल डिबेट को संबोधित करने वाले थे।

इज़राइल, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्ष 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी इस वर्ष फरवरी में द्विपक्षीय बैठक के लिए अमेरिका गए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यमुना अभी भी खतरे के निशान से ऊपर

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर घट रहा है लेकिन निचले इलाकों में बाढ जैसी स्थिति बरकरार है क्योंकि जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर है।

- **हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जाने वाले पानी में कमी आने से जलस्तर कुछ घटा है पर खतरा अभी बना हुआ है।**

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुराने रेलवे पुल का जलस्तर कई दिनों में पहली बार 207 मीटर से नीचे गिरकर 206.36 मीटर हो गया है जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है।

हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी की मात्रा में कमी आने के बाद दिल्ली में यमुना के जलस्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके चलते शनिवार सुबह यमुना का जलस्तर घटकर 207 मीटर से नीचे आ गया। केंद्रीय जल आयोग का अनुमान है कि जलस्तर में यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी। शाम तक इसके जलस्तर में और गिरावट आने की संभावना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और धैर्य बनाए रखने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार, प्रशासन, एनडीआरएफ, जनप्रतिनिधि, नागरिक संस्थाएं और सामाजिक संगठन मिलकर इस चुनौती से निपट रहे हैं तथा शीघ्र ही स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण पा लिया जाएगा।

नायडू ने उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भाजपा की चिंता बढ़ाई

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- **सूत्रों के अनुसार, नायडू को इस सप्ताह प्रधानमंत्री के साथ चुनाव पर चर्चा के लिए दिल्ली आना था, पर नायडू ने अंतिम समय में आना कैंसल कर दिया और अपनी जगह अपने बेटे नारा लोकेश को भेज दिया।**
- **सूत्रों ने बताया, कि नायडू के रुख को लेकर भाजपा में बेचैनी निरन्तर बढ़ रही है क्योंकि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी, रिटायर्ड जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी चन्द्रबाबू के बेहद करीबी हैं। सूत्रों ने बताया कि तेलुगूदेशम के कार्यकर्ताओं व नेताओं में भी एक बड़ा तबका रेड्डी के पक्ष में है।**
- **नायडू व रेड्डी के निजी संबंधों का फायदा उठाने की कांग्रेस पूरी कोशिश कर रही है। पर भाजपा के रणनीतिकार, मोदी और शाह, कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।**

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। उपराष्ट्रपति चुनाव, जो 9 सितंबर को होने वाला है, की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और इस बीच हालात में अचानक आए मोड़ ने सत्ताधारी भाजपा के आत्मविश्वास को हिला दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, नायडू से इस हफ्ते दिल्ली आकर चुनाव योजना पर अंतिम दौर की बातचीत करने को कहा गया था। लेकिन चौंकाने वाले ढंग से, इस अनुभवी नेता ने खुद आने के बजाय, अपने बेटे नरा लोकेश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने भेज दिया और अंतिम क्षण में अपना दौरा रद्द कर दिया।

टीडीपी के अंदरूनी सूत्र मानते हैं कि पार्टी में मतभेद हैं। दिक्कत इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि विपक्ष के उम्मीदवार, सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुदर्शन रेड्डी, न सिर्फ एक जाने माने तेलुगु व्यक्तित्व हैं बल्कि लंबे समय से नायडू के सहयोगी और शुभचिंतक भी रहे हैं।

भाजपा के लिए यह व्यक्तिगत समीकरण बड़ी चुनौती बन गया है। बताया जा रहा है कि कई कांग्रेस नेता नायडू के संपर्क में हैं और उन्हें एनडीए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कम करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच, विपक्षी खेमे में जस्टिस रेड्डी की उम्मीदवारी को लेकर अभूतपूर्व एकजुटता की खबरें भी सत्तारूढ़ खेमे की बेचैनी और बढ़ा रही हैं।

भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार, जिनमें मोदी और शाह शामिल हैं, कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। हर भाजपा सांसद को कड़ाई से निर्देश दिया गया है कि वे चुनाव की पूर्व संध्या पर 8 सितंबर को प्रधानमंत्री की ओर से आयोजित रात्रिभोज में अवश्य शामिल हों। इस डिनर को एकता का प्रदर्शन और मतदान से पहले आखिरी क्षणों की रणनीतिक कोशिश माना जा रहा है, ताकि मतदान के दौरान किसी तरह की असहमति या गैरहाज़िरी न हो।

राजस्थान विकास परियोजनाओं के लिए पीएनबी से 21 हज़ार करोड़ का ऋण लेगा

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि इससे ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे, जयपुर मेट्रो विस्तार, अक्षय उर्जा परियोजनाओं को गति मिलेगी

- **मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पीएनबी अधिकारियों से आग्रह किया कि बैंक राज्य की एमएसएमई इकाइयों को और अधिक सहयोग दे।**

जयपुर, 6 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजस्थान सरकार और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के बीच शनिवार को एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के तहत राज्य की आधारभूत विकास परियोजनाओं के लिए आगामी पांच वर्षों में पीएनबी द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प के अनुरूप राजस्थान को विकसित राज्य बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे, जयपुर मेट्रो विस्तार, अक्षय ऊर्जा एवं अन्य आधारभूत परियोजनाएं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देंगी। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना है, जिसके लिए पूंजीगत निवेश को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि वित्तीय संसाधन किसी भी विकास यात्रा की रीढ़ होते हैं। उन्होंने बैंक की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि पंजाब नेशनल बैंक राज्य के विकास में एक मजबूत भागीदार बनकर उभरा है। यह साझेदारी विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करेगी। उन्होंने बैंक से राज्य की एमएसएमई इकाइयों को और अधिक सहयोग देने का आग्रह भी किया। इस एमओयू के तहत ऊर्जा, सड़क, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य बुनियादी ढ ांचे से जुड़ी परियोजनाओं को वित्तीय मदद मिलेगी, जिससे इन कार्यों को गति मिलेगी और आमजन तक इनका लाभ शीघ्र पहुंचेगा।

कार्यक्रम में शासन सचिव, वित्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी राष्ट्रपति मुर्मू से मिले

नयी दिल्ली 06 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

मोदी की राष्ट्रपति के साथ यह मुलाकात जापान और चीन की चार दिन की यात्रा से लौटने के बाद हुई है। समझा जाता है कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को अपनी इन महत्वपूर्ण यात्राओं के दौरान इन देशों के नेताओं के साथ हुई बातचीत से अवगत कराया। मोदी ने चीन में शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में भी भाग लिया था और वहां मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा अन्य वैश्विक नेताओं से भी मुलाकात की थी। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस मुलाकात की जानकारी देते हुए एक फोटो साझा किया है।

- **मोदी ने उन्हें जापान और चीन यात्राओं के बारे में अवगत कराया।**

सांवलिया सेठ में पूजा अर्चना करके, जन्म दिन की शुरुआत करेंगे पायलट

आस्था के साथ, राजनीतिक कारण भी है मेवाड़ के चयन का, मेवाड़ में कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे कमजोर था, गत विधानसभा चुनाव में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **वैसे भी आज कल मेवाड़ के नेता सी.पी. जोशी, कांग्रेस में ए.आई.सी.सी. में, बहुत सक्रिय हैं, महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की मदद से राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष का पद पाने के लिये।**
- **ए.आई.सी.सी. के नेतागण यह ही चाहते हैं कि राज्यों के नेता आपसी लड़ाई में उलझे रहें, जिससे दिल्ली के नेताओं का महत्व व चौधराहट बनी रहे।**
- **पायलट इस मौके पर मेवाड़ के स्थानीय नेताओं से मिलेंगे, तथा कांग्रेस के मंच पर लाने का प्रयास करेंगे, विशेषकर आदिवासी बैल्ट के लोगों को, जो अब तक उपेक्षित सा महसूस कर रहे थे, सी.पी. जोशी के नेतृत्व वाले मेवाड़ में कांग्रेस के संगठन में और इस कारण से यहाँ पार्टी लगातार कमज़ोर हो रही थी।**

नई दिल्ली, 6 सितम्बर। सचिन पायलट कल अपना जन्मदिन मेवाड़ में मनाने जा रहे हैं, जहां कांग्रेस पार्टी राजस्थान के बाकी हिस्सों की तुलना में बेहद कमजोर है।

यह संयोग ही है कि यह वरिष्ठ कांग्रेस नेता सी. पी. जोशी का गढ़ और उनकी कर्मभूमि है, जो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का सबसे खराब प्रदर्शन मेवाड़ से ही रहा था।

सचिन पायलट सुबह 8 बजे डबोक एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से सीधे सड़क मार्ग से चित्तौड़गढ़ जिले में मंडफिया स्थित श्री सांवलिया सेठ के मंदिर (कृष्ण धाम) जाएंगे।

वे अपने दिन की शुरुआत इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना करके और आशीर्वाद लेकर करेंगे।

इसके बाद वे आसपास के क्षेत्रों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और उन्हें एक मंच पर लाने की कोशिश करेंगे। पार्टी नेताओं का कहना है कि यह इलाका मुख्य रूप से आदिवासी बहुल है लेकिन सी. पी. जोशी इस क्षेत्र के आदिवासी नेताओं की लगातार अनदेखी और उपेक्षा करते रहे हैं, जिससे भारी नाराज़गी पैदा हुई है।

सचिन पायलट का जन्मदिन पर यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि जोशी के. सी. वेणुगोपाल का सहारा लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि राज्य के नेताओं और कार्यकर्ताओं की मांग है कि प्रदेश की कमान पायलट को दी जाए, जो समय-समय पर राज्यभर के दौरों में अच्छी पकड़ और समर्थन जुटाते रहे हैं।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि दिलचस्प बात यह है कि राहुल गांधी के करीबी वरिष्ठ नेता आपसी टकराव और असंतोष भड़का रहे हैं ताकि अपनी अहमियत बनाए रख सकें और इससे पार्टी को नुकसान हो रहा है।

अंदरखाने की खबर है कि ये नेता चाहते हैं कि हर नेता उनके निर्देशों का पालन करे तथा उनके अनुरुप चले और इससे पार्टी कमज़ोर हो रही है।

लाल किले से एक करोड़ रु. का रत्न जड़ित स्वर्ण कलश चोरी

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक लाल किले से करीब एक करोड़ रुपये मूल्य का स्वर्ण कलश चोरी हो गया जो जतनो से सजा था, यह कलश एक जैन धार्मिक अनुष्ठान के दौरान गायब हुआ जिससे आयोजन स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक चोरी हुआ कलश लगभग 760 ग्राम शुद्ध सोने से बना था और उसमें करीब 150 ग्राम हीरे, माणिक्य और पन्ना जड़े हुए थे। यह धार्मिक कार्यक्रम 28 अगस्त से 09 सितंबर तक चला था, जहां केवल धोती-कुर्ता पहने और अनुमति प्राप्त श्रद्धालुओं को ही प्रवेश दिया जा रहा था।

- **कलश जैन धार्मिक अनुष्ठान से गायब हुआ है, 760 ग्राम सोने से बने इस कलश पर 150 ग्राम हीरे, पन्ना व माणक जड़े हुए थे।**

घटना दो सितंबर को उस समय हुई जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। अचानक भीड़ और हलचल के बीच कलश मंच से गायब हो गया।

पीड़ित सुधीर जैन ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एफआईआर दर्ज करके तुरंत जांच शुरू कर दी गई है। जांच में घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध दिखाई दिया, जो कई दिनों से धोती-कुर्ता पहनकर श्रद्धालुओं के बीच घूम रहा था और मौका पाकर मंच तक पहुंच गया।

फुटेज में आरोपी एक थैले में कलश रखकर बाहर जाता दिख रहा है। अधिकारी ने दावा किया है आरोपी की पहचान हो गई है और तलाश जारी है।

'तू मुझसे ख़फा है तो ज़माने के लिए आ---'

ट्रंप ने प्र.मंत्री मोदी को याद दिलाई दोस्ती, मोदी ने भी दिया दोस्ताना जवाब

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **भारत को चीन के निकट जाता देख अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बेचैनी इस कदर बढ़ गई कि उन्होंने मोदी को पुनः अपने करीब लाने की कोशिशें शुरु कर दी हैं।**
- **ट्रंप ने मोदी की जोरदार तारीफ की और कहा, मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूँगा, वे बहुत शानदार व्यक्ति हैं।**
- **मोदी ने ट्रंप की इस पोस्ट को एक्स पर शेयर किया और कहा, राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की सराहना करता हूँ और उनके प्रति मेरी भी ऐसी ही भावनाएं हैं।**
- **हालांकि ट्रंप ने दोस्ताना लहजे में शिकायत भी की, कि मोदी की रुस व चीन से निकटता उन्हें पसंद नहीं है।**
- **इस घटनाक्रम को दोनों देशों के बीच बेहतर संबंधों की वापसी का संकेत माना जा रहा है।**

नई दिल्ली, 6 सितंबर। ट्रंप, जिन्होंने शुक्रवार को अपने ''ट्रुथ सोशल'' प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि लगता है भारत ''गहरे, अंधेरे चीन'' की ओर चला गया है, ने पहला कदम उठाया।

शुक्रवार को वॉशिंगटन स्थित ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि ''भारत और अमेरिका में विशेष रिश्ता है।'' साथ ही उन्होंने मतभेद की चिंताओं को नज़रअंदाज़ किया।

उन्होंने कहा, ''चिंता की कोई बात नहीं है। कभी-कभी ऐसे पल आते हैं।'' उन्होंने मुस्कुराते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के साथ उनका व्यक्तिगत संबंध बरकरार है।

एक प्रश्न के जवाब में ट्रंप ने कहा, ''मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा, वे महान प्रधानमंत्री हैं। वे शानदार हैं। मैं हमेशा दोस्त रहूंगा, लेकिन अभी जो वे कर रहे हैं, वह मुझे पसंद नहीं है।''

उक्त वीडियो क्लिप के सार्वजनिक होने के कुछ ही मिनटों बाद मोदी ने इसे अपने एक्स (ट्विटर) अकाउन्ट पर उद्धृत किया।

तथापि, ट्रंप ने भारत के रूस से तेल खरीदने के फैसले पर अपनी नाराज़गी दोहराई। उन्होंने कहा, ''मुझे बहुत निराशा हुई कि भारत इतना अधिक तेल रूस से खरीद रहा है और मैंने उन्हें यह बता दिया है। हमने भारत पर बहुत बड़ा शुल्क लगाया, 50 प्रतिशत शुल्क, बहुत ऊंचा शुल्क।''

मोदी की पोस्ट जिस समय पर आई, उसे यह संकेत देने के प्रयास के रुप में देखा गया कि हाल के हफ्तों की सार्वजनिक बयानबाजी उनके रिश्तों को परिभाषित नहीं करेगी।

यह गर्मजोशी भरे संदेशों का आदान-प्रदान उस बयान से बिल्कुल विपरीत था, जो एक दिन पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने दिया था।

बोल्टन ने ब्रिटिश चैनल ''एलबीसी'' को बताया कि ट्रंप का मोदी के साथ ''बहुत अच्छा व्यक्तिगत रिश्ता,'' अब वो बफर नहीं है, जैसा पहले था। उन्होंने कहा, ''वह अब खत्म हो चुका है।''

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि ट्रंप अंतरराष्ट्रीय रिश्तों को नेताओं के साथ अपने व्यक्तिगत रिश्तों के चश्मे से देखते हैं। अगर उनका व्लादिमीर पुतिन से अच्छा रिश्ता है तो अमेरिका और रूस के रिश्ते भी अच्छे हैं। लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं होता।''

उनके अनुसार, भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए दंडित करने का फैसला एक ''अनावश्यक गलती'' थी, जिसने अमेरिका के दोनों दलों की उस कोशिश को कमजोर कर दिया, जिसका उद्देश्य नई दिल्ली को वॉशिंगटन के करीब लाना था और शीतयुद्ध के समय मॉस्को से भारत का जो जुड़ाव था, उसे खत्म करना था। उन्होंने कहा, ''यह पलटा जा सकता है, लेकिन यह बेहद खराब समय है।''

ऐसी आलोचनाओं के बावजूद, अब ट्रंप और मोदी दोनों ही तनाव कम करने के इच्छुक दिखाई दे रहे हैं।

गुजरात पावागढ़ शक्ति पीठ का गुड्स रोप वे टूटा, 6 की मौत

अहमदाबादे, 06 सितम्बर। गुजरात के पंचमहाल जिले के पावागढ़ के महाकाली मंदिर शक्तिपीठ में शनिवार को गुड्स रोपवे का सामान ले जाने वाले रोपवे के टूटने से 6 लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

- **हादसे में मरने वालों में 2 लिफ्ट ऑपरेटर, दो मजदूर व दो अन्य लोग हैं तथा कई अन्य घायल हो गए हैं।**

जानकारी के मुताबिक, रोपवे का तार टूट और ट्रॉली ऊंचाई से नीचे जमीन पर गिर गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर भी है। वहीं, मृतकों में 2 लिफ्ट ऑपरेटर, 2 मजदूर और अन्य दो लोग शामिल हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पावागढ़ में इससे पहले 25 अगस्त 2023 को भी बड़ा हादसा होते रह गया था, उस समय महाकाली मंदिर तक जाने वाली रोपवे की पिलर नंबर 4 की केबल बीच में ही टूट गई थी, जिससे 10 से ज्यादा यात्री हवा में बोगियों में फंस गए थे। हालांकि गनीमत रही कि सभी लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया और कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

जवाई बांध के एक साथ आठ गेट खोले, जालोर में बाढ़ की आशंका

कुल 13 गेट वाले जवाई बांध में पानी की आवक लगातार होने से और गेट खोले जा सकते हैं

जालोर/सुमेरपुर, (निसं)। पश्चिमी राजस्थान में मानसून की सक्रियता के चलते शनिवार को मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहने से नदी, नाले व बांधों में पानी की आवक तेज गति से देखी गई। पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े बांध जवाई में पानी की आवक लगातार जारी रहने से बांध ओवरफ्लो हो गया, जिसके चलते जवाई बांध के आठ गेट खोले गये। ऐसे में एक साथ नौ गेट बांध के खोलने से जालोर में हालात बाढ़ के बन सकते हैं।

- **मूसलाधार बारिश से बांकली बांध, वणधर व बांडी सिणधरा सहित कई बांधों में पानी आने से बांध ओवरफ्लो की कगार पर**

पश्चिमी राजस्थान के सबसे बड़े जवाई बांध में पानी की आवक लगातार जारी रहने से बांध के आठ गेट खोले गये।

मौसम विभाग के अलर्ट के बाद शनिवार को दिनभर बारिश का दौर जारी रहा, जिसके चलते जालोर की जवाई नदी, सुकड़ी नदी, आकोली नदी में पानी की आवक तेज गति से देखी गई। वहीं जिले के बांकली बांध, वणधर व बांडी सिणधरा सहित कई बांधों में पानी आने से बांध ओवरफ्लो की कगार पर है। वहीं भेटाला, नबी, हरजी सहित कई नालों में पानी आने से गांवों का सम्पर्क कट गया। जालोर में दिनभर कभी तेज तो कभी मूसलाधार बारिश होने से जगह-जगह पानी भर गया।

वहीं शहर निचली कॉलोनियों में निकासी नहीं होने से पानी भर जाने कॉलोनियों जलमग्न हो गई। वहीं जवाई बांध ओवरफ्लो होने से आनन-फानन में आठ गेट खोले, जिससे जवाई नदी के आसपास रहने वालों को बाढ़ के हालात से सामना करना पड़ सकता है। शनिवार को महज चार घंटों के भीतर जवाई बांध के एक बाद एक आठ गेट खोले गये। कुल 13 गेट वाले जवाई बांध के दोनों किनारे वाले 1-1 गेट तकनीकी कारणों से कभी नहीं खोले जाते हैं, जबकि इस बार शेष 11 गेट में से 8 गेट बड़े स्तर पर खोले गये हैं। जवाई बांध के गेट नंबर गेट 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9 व 10 को 6-6 फिट खोला गया है। जवाई बांध में पानी की आवक लगातार होने से और गेट खोले जा सकते हैं। ऐसे में एक साथ आठ गेट बांध के खोलने से जालोर में हालात बाढ़ के बन सकते हैं।

जालोर के जनप्रतिनिधियों की विफलता से जवाईबांध के गेट पहले नहीं खोले, हमेशा की तरह इस बार बाढ़ के हालात का सामना करना पड़ सकता है। लगातार बारिश के बाद जवाई बांध में पानी आवक होने से जालोर की जनता ने 55 फीट पर ही पानी छोडने की मांग की, लेकिन पानी नहीं छोड़ा, आखिर बांध ओवरफ्लो होने पर पानी छोड़ने से जालोर को बाढ़ की स्थिति में धकेल दिया।

आऊवा की लीलकी नदी उफान पर, ग्रामीणों में खुशी

आऊवा गांव में हर ओर हरियाली और पानी ही पानी नजर आ रहा है

गांव आऊवा की प्रमुख लीलकी नदी वर्षों बाद तीव्र वेग से बहती नजर आ रही है।

पाली, (निसं)। जिले के ऐतिहासिक गांव आऊवा में इस वर्ष मानसून ने एक बार फिर से अपने पूरे प्रभाव के साथ दस्तक दी है। लगातार हो रही अच्छी बारिश के चलते गांव की प्रमुख लीलकी नदी वर्षों बाद तीव्र वेग से बहती नजर आ रही है, जिससे ग्रामीणों में उत्साह और आनंद का माहौल है। अरावली की तलहटी में बसे इस सुरम्य गांव में हर ओर हरियाली और पानी ही पानी नजर आ रहा है।

ग्रामीण जमाल बाबू सिपाही ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार मानसून की बारिश से कुंडल सरोवर पूरी तरह से लबालब हो गया है। वहीं लीलकी नदी का जलस्तर भी खासी ऊंचाई पर पहुंच गया है। यह स्थिति वर्षों बाद देखी जा रही है। लीलकी नदी के उफान से न सिर्फ गांव का प्राकृतिक सौंदर्य निखर उठा है, बल्कि इसके बहाव से आसपास के कुओं और जल स्त्रोतों का जलस्तर भी बढ़ने की पूरी संभावना है, जो क्षेत्र के किसान भाइयों के लिए वरदान साबित होगा।

नदी की यह भव्य स्थिति देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं, जिससे यह स्थान एक प्राकृतिक दर्शनीय स्थल बन गया है। आऊवा ग्राम तीन ओर से जल स्त्रोतों से घिरा हुआ है। सूकड़ी और लीलकी नदियां दो ओर हैं, जबकि तीसरी ओर बड़ा तालाब स्थित है, जो अब पूरी तरह से भर चुका है। गांववासियों की मानें तो ऐसा अद्भुत नजारा कई वर्षों के बाद देखने को मिला है, जिससे क्षेत्र में एक नई ऊर्जा और आशा का संचार हुआ है।

गांधी सागर डेम से पानी की निकासी शुरु की, चंबल में उफान से अलर्ट

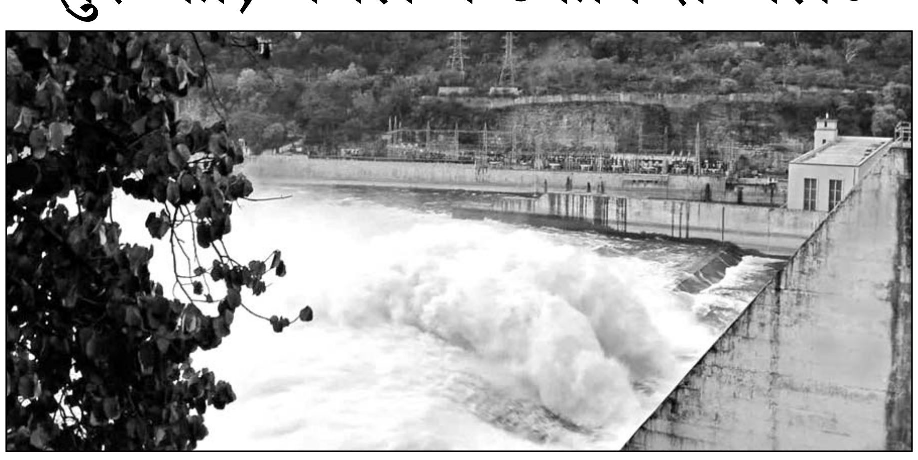

गांधी सागर डेम में लगातार पानी की आवक बनी हुई है।

कोटा, (निसं)। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित चंबल नदी के सबसे बड़े बांध गांधी सागर डेम में लगातार पानी की आवक बनी हुई है। डेम का जलस्तर 1308.07 फीट तक पहुंच गया है। इसी वजह से लेवल मेंटेन करने के लिए गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू कर दी गई है। इसके चलते राजस्थान के चित्तौड़गढ़ , कोटा और धौलपुर तक चंबल नदी में तेज बहाव रहेगा। इसको देखते हुए कोटा जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है और निचली बस्तियों में एहतियातन कदम उठाए जा रहे हैं।

- **चित्तौड़गढ़, कोटा और धौलपुर तक चंबल नदी में तेज बहाव रहेगा, कोटा प्रशासन ने अलर्ट जारी किया**

जल संसाधन विभाग के कंट्रोल रूम प्रभारी और सहायक अभियंता नीतिका पारेता ने बताया कि शनिवार दोपहर 3 बजे गेट खोलकर 57339 क्यूसेक पानी की निकासी शुरू की गई है। गांधी सागर डेम की भराव क्षमता 1312 फीट है जिसमें कुल 7164.94 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी आ सकता है। फिलहाल डेम में 6449.32 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी पहुंच चुका है। वर्तमान में 1.65 लाख क्यूसेक पानी की आवक हो रही है इसलिए गेज 1308 फीट पर ही गेट खोल दिए गए हैं। चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा में स्थित राणा प्रताप सागर बांध से करीब 66 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं, बूंदी जिले के जवाहर सागर बांध से भी गेट और मशीन के जरिए पानी डिस्चार्ज हो रहा है। नीतिका पारेता ने बताया कि पानी कोटा बेराज पहुंचने के बाद कोटा बैराज से पानी छोड़ा गया। पानी की स्थिति को देखते हुए चंबल की नयापुरा छोटी पुलिया पर यातायात को बंद कर दिया गया है। साथ ही बहाव क्षेत्र से लोगों को दूर रहने की मुनादी करवाई गई है।

आयड़ नदी के बीच फंसे युवक को बचाया

उदयपुर, (कासं)। भारी बारिश के चलते उफान पर आई आयड़ नदी के बीच फंसे युवक को सात घंटों की मशक्कत के बाद आखिरकार सुरक्षित बचाने में सफलता मिली।

जानकारी के अनुसार हिरण मगरी क्षेत्र में एफसीआई गोदाम के समीप आयड़ नदी के बीच एक युवक फंस गया। इस बीच नदी का बहाव तेज हो गया, जिससे वह युवक बाहर नहीं आ सका। खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर जिला कलेक्टर के निर्देश पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर दीपेंद्रसिंह राठौड़ मौके पर पहुंचे। प्रशासन, पुलिस, सिविल डिफेन्स की टीमें भी मौके पर पहुंची तथा बचाव कार्य शुरू किए। नदी का बहाव बहुत तेज होने से सफलता नहीं मिली। इस पर मीडियाकर्मी ताराचंद गवारिया और ड्रोन पर्सन कुलदीप परमार की मदद ली गई। उन्होंने ड्रोन की सहायता से पतली रस्सी नदी के बीच फंसे युवक तक पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन दो बार असफल रहे। तीसरी बार में रस्सी युवक तक पहुंच गई। इस रस्सी की मदद से युवक तक लाइफ जैकेट और ट्यूब पहुंचाई गई। इस बीच जिला कलेक्टर नमित मेहता, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा भी मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए सेना की भी मदद ली गई। आर्मी के ड्रोन से मोटी रस्सी युवक तक पहुंचाई गई। इसके बाद लाइफ जैकेट व ट्यूब के सहारे युवक को रस्सी से खींचकर बाहर निकाला जा सका।

घग्घर नदी में 5747 क्यूसेक तक पहुंचा पानी का स्तर

अनूपगढ़, (निसं)। घग्घर नदी में शनिवार को पानी की मात्रा बढ़ कर 5747 क्यूसेक तक पहुंच गई है। पिछले कुछ दिनों से नदी में 5 हजार क्यूसेक पानी चल रहा था। दो दिनों में करीब 750 क्यूसेक पानी की वृद्धि हुई है।

पानी भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय मजनू पोस्ट तक पहुंच चुका है। एसडीएम सुरेश राव ने बॉर्डर क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने हल्का पटवारी सहित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रखा है। एसडीएम ने बताया कि सबसे अधिक नुकसान की आशंका गांव 28 ए और पुराना बिजोर में है। गांव 28 ए में लगभग 50 घर हैं। पुराना बिजोर में 100 से अधिक घरों की आबादी है। पुराना बिजोर निचले इलाके में होने के कारण यहां खतरा ज्यादा है।

डूंगरपुर के निठाऊवा में साढ़े तीन इंच बारिश

डूंगरपुर शहर सहित गांवों में बरसात से नदी-नाले उफान पर रहे।

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर शहर सहित गांवों में शुक्रवार रात से जारी बारिश का दौर शनिवार को भी दिन भर चलता रहा और भाद्रपक्ष की समाप्ति के पूर्व ही मेघों ने ऐसा मलहार गाया कि नदी, नाले, अपनी भराव क्षमता को पार करके छलक उठे जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कस्बो में कई वर्षो से खाली पड़े तालाब व बांध ओवरफ्लो हो गये। शनिवार को अल सुबह से जारी बारिश के कारण पक्के व कच्चें घरों की छतें भी टपकने लगी जिसके कारण सामान्य जन जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। इधर खुमानसागर, बिलडी, कुशालमगरी से कुछ रास्ते खुलने के कारण पानी की आवक धड़ल्ले से हो रही है, जिसके कारण गेपसागर जलाशय का उखड़ा हुआ पैदा अब पूरी तरह पानी की चादर से ढक गया है और गेपसागर जलाशय की सीढ़ियों पर भी पानी आने लग गया है।

शनिवार प्रात: से ही जिलेभर में मूसलाधार व रूक-रूक कर हो रही बरसात के कारण सड़कों पर दरिया की तरह पानी बहने लगा। शहर के कई कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति हो गई, जिससे लोगों को परेशानी हुई। वहीं बारिश के बाद से डूंगरपुर के बांध, तालाब उफान पर बह रहे हैं। वहीं सोम कमला आंबा बांध से भी पानी की निकासी हो रही है। बेणेश्वर धाम पिछले 10 दिन से ज्यादा वक्त से टापू बना हुआ है। निठाऊवा में सबसे ज्यादा 82 एमएम बरसात हुई है। डूंगरपुर में शनिवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में डेढ इंच बरसात हुई। निठाउवा में साढे 3 इंच, 82 एमएम, सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र में 40 एमएम, धम्बोला में 42 एमएम, सागवाडा में 27 एमएम डूंगरपुर में 38 एमएम, आसपुर में 50 एमएम, चिखली में 21 एमएम, गलियाकोट में 41 एमएम, देवल में 32 एमएम, गणेशपुर में 9 एमएम, कनबा में 14 एमएम, साबला में 22 एमएम, वेंजा में 42 एमएम बारिश हुई।

इधर तेज बारिश के बीच डूंगरपुर से धम्बोला क्षेत्र के खांडिया किशनपुरा पुलिये पर बीओबी के बैंक मैनेजर बैंक जल्दी जाने की होड में पुल पर पानी बहने के बावजूद अपनी कार को लेकर सुरक्षित निकलने की जुगत में फंस गया कार तेज पानी के बहाव के साथ बहने लगी, लेकिन सड़क किनारे बने सेफ्टी पिल्लर ने बैंक मैनेजर की कार को रोक लिया। इधर किनारे पर खड़े लोगों ने तत्काल ट्रेक्टर लेकर पहुंचे और बैक मैनेजर तथा उसकी कार को सुरक्षित किनारे पर पहुंचाया।

सड़कों पर कटाव से दूदू-मालपुरा मेगा हाइवे पर वाहनों की आवाजाही छह दिन से बाधित

मकानों व दुकानों में पानी भर जाने से दीवारों में दरारें पड़ने लगी

दूदू, (निसं)। उपखंड के अधीन गांवों में लगातार हो रही बरसात के कारण जनजीवन अस्त- व्यस्त हो रहा है। गांवों में आने-जाने के रास्ते अवरूद्ध हो जाने पर भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

- **बरसात के कारण गांवों में आने-जाने के रास्ते अवरूद्ध हो जाने पर भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।**

मकानों व दुकानों में पानी भर जाने से दीवारों में दरारें पड़ने लगी है। दूदू मुख्यालय पर वार्ड 14 में फारुख नागोरी व वार्ड नंबर 9 में राजू का मकान गिर जाने से नुकसान हो गया इस दौरान घर में कोई नहीं था इससे जनहानि नहीं हुई। क्षेत्र में तेज बहाव व सड़कों पर कटाव के कारण दूदू-मालपुरा मेगा हाइवे पर करीब छह दिन से वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है। वहीं ममाणा क्षेत्र के भूतिया बांध की पाल टूट जाने पर नरेना-रूपनगढ़ हाइवे पर पानी भर जाने से आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर उपखंड अधिकारी रमेश कुमार तहसीलदार मदन परमार ने पहुंचकर मिट्टी के कट्टे डलवाकर पानी को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सेवा गांव में जल भराव वाले क्षेत्र का जायजा लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद करने के निर्देश दिए तथा पीड़ित परिवारों को राशन के किट वितरण किए। इस दौरान उपखंड अधिकारी बलवीर सिंह तहसीलदार सुरेंद्र विश्नोई एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। क्षेत्रीय किसानों ने बैरवा को ज्ञापन पेश कर बरसात से खराब फसलों का सर्वे कराया जाकर मुआवजे की मांग की है।

बांसवाड़ा में वर्षा का दौर जारी

बांसवाड़ा, (निसं)। जिले में वर्षा का दौर जारी है कभी रूक-रूक कर तो कभी तेज वर्षा हुई।

जानकारी के अनुसार जिले में सर्वाधिक वर्षा घाटोल के भूंगड़ा केन्द्र पर 15 मिमी. दर्ज की गयी। आंबापुरा व लोहारिया में सात-सात मिमी, बांसवाड़ा में 6, छोटी सरवन में 5, घाटोल में 2, गनोड़ा में 4, गढ़ी में 22 मिमी., अरथूना 5, आनंदपुरी 1, गांगड़तलाई 10, कुशलगढ़ 3 एवं सज्जनगढ़ में 10 मिमी. वर्षा दर्ज की गयी। संभाग के सबसे बड़े माही बांध के 6 गेट डेढ़-डेढ़ मीटर खुले हैं।

भीलवाड़ा जिले में बरसात से बिगड़े हालात, मेजा बांध का गेज 23 फीट पहुंचा

भीलवाड़ा शहर में साढ़े चार, खारी बांध पर सवा पांच, कोठारी बांध पर छह, बनेड़ा में सवा छह इंच बरसात हुई

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के मांडल क्षेत्र में बारिश का कहर शुक्रवार रात से जारी है। अभी तक मांडल में 107 एमएम (सवा चार इंच) बारिश हो चुकी है। रातभर चली बारिश ने सभी के हाल बेहाल कर दिये। मानसून की औसत बारिश 601 एम एम होती है, इसके बजाय इस बार 813 एम एम बारिश हो चुकी है यानी अभी तक 360 एम एम अधिक बारिश हो चुकी है। पिछली रात को ज्यादातर जगहों पर ढाई से साढ़े चार इंच बारिश हुई है। अकेले भीलवाड़ा शहर में ही साढ़े चार इंच बारिश हो गयी। इसके अलावा खारी बांध पर 132 एम एम (सवा पांच इंच), कोठारी बांध पर 154 एम एम (छह इंच), बनेड़ा में 156 एम एम (सवा छह इंच), कोटड़ी में 122 (करीब सवा पांच इंच), मांडल में 107 एमएम (सवा चार इंच) बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार अभी भारी बारिश की स्थिति बनी हुई है। इसको लेकर अलर्ट भी जारी कर दिया। यहां तक कि कलेक्टर ने भी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा कर दी है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात से जारी बरसात के चलते मांडल कस्बे के मीणा मोहल्ला, गणगौर घाट के समीप मकान ढह गया। फ़िलहाल कोई जनहानि होने की सूचना नहीं है, लेकिन मकान ढहने से आस पास के घरों में दिक्कत हो सकती है। मकान मालिक नारायण मीणा ने बताया कि सूचना के बावजूद एक घंटे बाद भी प्रशासन की टीम नहीं पहुंची है। इस कारण कस्बेवासियों में रोष बना हुआ है। वहीं जिले सबसे बड़े बांध मेजा डेम में पानी की आवक जारी है। इससे बांध का गेज 23 फीट पहुंच गया है। बांध की कुल भराव क्षमता 30 फीट है। वहीं रात भर में लगातार हो रही बारिश से उपखंड के बागोर क्षेत्र के जलाशयों में पानी की आवक जारी है। बारिश से समेलिया के तालाब की पाल टूट गई।

मांडल के मीणा मोहल्ला, गणगौर घाट के समीप मकान ढह गया।

भीलवाड़ा शहर में बरसात के चलते कई जगह जल भराव हो गया।

कोटड़ी में भी बिगड़े हालात : भीलवाड़ा जिले के कोटड़ी क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बरसात का पानी गांव-गांव से होकर बहने लगा है और मुख्य रास्तों पर भी तेज बहाव से हालात बिगड़ रहे हैं। शुक्रवार देर रात जहाजपुर से कोटड़ी की ओर आ रही एक पिकअप गाड़ी बिरधोल पुलिया पर फंस गई।

बिरधोल निवासी कमलेश ने बताया कि रात करीब 12 बजे पुलिया पर पानी का बहाव बहुत तेज था। पुलिया पहले से ही क्षतिग्रस्त होने के कारण पिकअप गाड़ी बीच में अटक गई। स्थिति इतनी खतरनाक थी कि गाड़ी चालक और खलासी दोनों की जान पर बन आई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाई तो ड्राइवर और खलासी सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। प्रशासन और पुलिस की अपील के बावजूद कई वाहन चालक खतरे को नजरअंदाज कर पुलिया पार करने की कोशिश करते हैं, जिससे बड़ा हादसा कभी भी हो सकता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पुलिया की मरम्मत और सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की मांग की है।

- **कोटड़ी, मांडल क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया**
- **भोपालगढ़ गांव में बनास नदी और गुरला तालाब के पानी में युवक बहा, लोगों ने बचाया**

वहीं भीलवाड़ा जिले के कारोई थाना क्षेत्र स्थित भोपालगढ़ गांव में तेज बारिश के कारण बनास नदी और गुरला तालाब के पानी में एक युवक बह गया। स्थानीय ग्रामीण युवकों ने अपनी जान पर खेल कर युवक की जान बचाई। जानकारी के अनुसार गांव का ही निवासी विकलांग विष्णु लाल कीर अपने खेत पर गया हुआ था। अचानक से बनास नदी और दो गांवों के बीच से गुजर रहे गुरला तालाब के पानी की तेज आवक से युवक तेज बहाव में बह गया और पानी के बीच एक पेड़ के सहारे मदद की गुहार लगाने लगा। मौके पर पहुंचे रफीक बिसायती, शेर मोहम्मद, जफर मीर, किशन किर, बद्रीलाल और अन्य ग्रामीणों ने आपसी सूझबूझ से युवक की जान बचाई।

चार मंजिला जर्जर पुरानी इमारत ढही, मलबे में दबने से पिता-पुत्री की मौत

सुभाष चौक इलाके में हुआ हादसा, दो बच्चों समेत पांच घायलों को एस.एम.एस. अस्पताल में भर्ती कराया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। जब सुभाष चौक थाना क्षेत्र में एक चार मंजिला जर्जर इमारत अचानक ढह गई। इस दर्दनाक घटना में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

हालांकि समय रहते सूचना मिलने पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक घायल महिला को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसके पति और मासूम बेटी को नहीं बचाया जा सका। दो बच्चों समेत पांच घायलों को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जहां उपचार के बाद एक को छुट्टी दे दी गई। हादसा सुभाष चौक सर्किल स्थित बाल भारती स्कूल के पीछे हुआ। हादसे के दौरान मकान में बीस लोग मौजूद थे। मकान का पिछला हिस्सा गिरते ही तेरह लोग बाहर निकल गए थे।

आधी रात का हादसा और त्वरित कार्रवाई

यह घटना शुक्रवार-शनिवार की देर रात घटी है। जब जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम से एसडीआरएफ कंट्रोल रूम को इमारत गिरने और लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना मिली। कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया के निर्देश पर एसडीआरएफ जयपुर की एच कंपनी की रेस्क्यू टीम एच-02 को तत्काल मौके पर रवाना किया गया। रेस्क्यू टीम प्रभारी मोहनलाल के नेतृत्व में नौ जवानों की टीम आधे घंटे के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गई। टीम ने पाया कि एक पुरानी हवेली भरभराकर ढह गई है। शुरुआती जानकारी में पता चला कि मलबे में 7 लोग दबे थे। जिनमें से वासुदेव (34), उनकी पत्नी सुकन्या (23) और बेटों सोनू (4), ऋषि (6) को रेस्क्यू करके हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था।

सुभाष चौक क्षेत्र में शनिवार को चार मंजिला जर्जर इमारत अचानक ढह गई।

बिल्डिंग के मलबे में दबे घायलों को एस.डी.आर.एफ. की टीम ने बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया।

अत्याधुनिक तकनीक से सर्च ऑपरेशन

एसडीआरएफ की टीम ने सिविल डिफेंस के साथ मिलकर बाकी लोगों को खोजने के लिए एक गहन सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जवानों ने ध्वस्त इमारत में दबे लोगों की पहचान के लिए हेलिंग सर्च तकनीक का इस्तेमाल किया, जिससे मलबे के नीचे दबे होने की पुष्टि हुई।

इसके बाद जवानों ने सावधानी पूर्वक मलबे को हटाया और 30 वर्षीय श्रीमती सुमित्रा को बाहर निकाला। उन्हें गंभीर चोटें आई थीं, इसलिए तुरंत नजदीकी अस्पताल भेजा गया। बाद में सीएसएसआर उपकरणों की मदद से मलबे को और हटाया गया।

बचाव दल को मलबे में सुमित्रा के पति प्रभात (35) और उनकी 5 वर्षीय बेटी पीहू के शव मिले। यह परिवार पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के काशीपुर गांव के निवासी थे। टीम ने दोनों शवों को बरामद कर स्थानीय प्रशासन को सौंप दिया। इस घटना ने एक परिवार को तबाह कर दिया, लेकिन एसडीआरएफ जवानों की बहादुरी और त्वरित कार्रवाई ने कम से कम एक जान बचाने में सफलता हासिल की।

■ एस.डी.आर.एफ. टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मलबे में दबी महिला को सुरक्षित निकाला

सहायक पुलिस आयुक्त (माणक चौक) पीयूष कविया के अनुसार हादसे के बाद पूरे क्षेत्र को सुरक्षा कारणों से खाली करा लिया गया था । घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। सुभाष चौक में जहां यह हादसा हुआ, वहां करीब पांच से ज्यादा ऐसे मकान हैं जो जर्जर अवस्था में हैं। ऐसे में भविष्य में यदि तेज बारिश होती है तो किसी दूसरे मकान में भी हादसा हो सकता है।

वहीं प्रभात और उनका परिवार तीसरी मंजिल पर रहता था। दो साल से यहां किराए से रह रहा था। यह मकान शहाबुद्दीन नाम के व्यक्ति का है। इस पूरे मकान सिर्फ किराएदार रहते हैं। प्रशासन या नगर निगम ने जर्जर भवनों की जो सूची बनाई थी।

मकान मालिक पर होगी कार्रवाई

हादसे के बाद हेरिटेज नगर निगम महापौर कुसुम यादव घटना स्थल पर पहुंची। इस दौरान पीड़ित परिवार से बात की। महापौर ने कहा कि अधिकारियों को सात दिन में हेरिटेज निगम में जर्जर भवनों की सूची बनाकर कार्रवाई करनी होगी। नहीं तो उन पर भी करवाई की जाएगी। जिस जर्जर भवन में हादसा हुआ। इसके मकान मालिक पर भी नियमानुसार कार्रवाई होगी।

जर्जर बिल्डिंगों की फोटो व पत्र लिखा

विधायक अमीन कागजी कहा कि जर्जर मकान में बीस से ज्यादा लोग किराए पर रहते हैं। जो पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। बाकी लोगों को तौर पर पार्षद कार्यालय में शिफ्ट कर दिया गया है। यह प्रशासन की लापरवाही है। उन्होंने नगर निगम कमिश्नर को और अधिकारियों को एक पत्र लिखा था जिसमें कहा था कि परकोटे में जो जर्जर भवन है उनको आईडेंटिफाई किया जाए और उनको खाली कराया जाए। बहुत ज्यादा जर्जर बिल्डिंग हैं और जो बहुत ज्यादा पुरानी बिल्डिंग है जो गिरने की अवस्था में हैं। उनके फोटो भी भेजे थे ईमेल भी किया।

जर्जर इमारतों की रिपोर्ट पुलिस से मांगी

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दुर्ग सिंह राजपुरोहित ने बताया कि एक मकान गिरने से कुछ लोगों के दबे होने की सूचना थी। मौके पर एसीपी माणक चौक अन्य पुलिस अधिकारी पहुंचे थे। हादसे में दो लोगों की मौत हुई है जबकि पांच लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां वॉल सिटी एरिया में तंग गलियां है और यहां एक एंट्री अगर बंद हो तो दूसरी एंट्री से आने में काफी परेशानी होती है। यहां जो मंदिर का रास्ता है वहां से लोगों को रेस्क्यू किया गया था।

शिक्षाकर्मियों को तय वेतन नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने 18 साल की सेवा पूरी करने के बावजूद शिक्षाकर्मियों को तय 51 हजार 600 रुपए का वेतन नहीं देने पर शिक्षा सचिव और प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश जगदीश डिडेल व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता करीब 18 साल पहले शिक्षा विभाग में नियुक्त हुए थे। वहीं बाद में उन्हें पाठशाला सहायक बनाया गया। इसी तरह अन्य संविदा अध्यापक भी सालों से काम कर रहे हैं। राज्य सरकार ने 15 अप्रैल, 2023 को आदेश जारी कर 18 साल पूरी करने वाले ऐसे शिक्षाकर्मियों को 51 हजार 600 रुपए मासिक वेतन देना तय किया था। आदेश के तहत कई जगहों पर ऐसे शिक्षाकर्मियों को लाभ दिया जा चुका है, लेकिन याचिकाकर्ताओं को आज तक वेतन के तौर पर नाममात्र की राशि दी जा रही है।

राजस्थान बनेगा देश का सबसे बड़ा डेयरी हब : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौवंश केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि समृद्धि और संस्कारों का मूल आधार है। हमें अपने जीवन के मांगलिक अवसरों पर गौ-सेवा का संकल्प लेना चाहिए ताकि सामाजिक और आध्यात्मिक दृष्टि से सशक्त समाज का निर्माण हो सके। वे शनिवार को विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर में श्री देवराहा बाबा गौ सेवा परिवार द्वारा आयोजित 'गौ आधारित वैश्विक शिखर सम्मेलन - गौ महाकुंभ' को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए 2791 करोड़ रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्रत्येक पंजीकृत गौशाला को प्रति गाय 50 रुपये और बछडों के लिए 25 रुपये प्रतिदिन की दर से सहायता दी जा रही है। प्रदेश की 100 गौशालाओं को गौ-काष्ठ मशीनें रियायती दर पर उपलब्ध कराई गई हैं, जबकि 341 गौशालाओं में आधारभूत सुविधाओं का विकास किया गया है। नंदीशाला सहभागिता योजना के अंतर्गत पंचायत स्तर पर निर्माण कार्यों के लिए 62 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की गई है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान को देश का सबसे बड़ा डेयरी हब बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। दुग्ध उत्पादकों को प्रति लीटर 5 रुपये का अनुदान दिया जा रहा है, जिससे औसतन 864 रुपये प्रति किलो फैट का मूल्य सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के तहत 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 468 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में हस्तांतरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया गया है। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है और अब तक 33 हजार से अधिक दुग्ध उत्पादकों को 3 लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान किया गया है। इस अवसर पर जयपुर जिला प्रमुख रमादेवी चौपड़ा, गौ महाकुंभ के चेयरमैन डॉ. लालसिंह, गौ संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि, गोपालक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

■ भारतीय संस्कृति में गौवंश केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि समृद्धि और संस्कारों का मूल आधार : भजनलाल शर्मा

हैरिटेज होटल्स अतीत और वर्तमान के बीच सेतु : गजेन्द्र सिंह शेखावत

कैसल कानोता में इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन के 12वें वार्षिक सम्मेलन का भव्य आगाज, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भी रहीं मौजूद

जयपुर (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि हैरिटेज होटल्स केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि अतीत और वर्तमान के बीच एक सेतु हैं। ये होटल्स हमारे कारीगरों को सम्मान देते हैं और युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराते है। उन्होंने यह बात शनिवार को कैसल कानोता में इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के 12वें वार्षिक सम्मेलन और 24वीं आमसभा को संबोधित करते हुए कही।

शेखावत ने कहा कि केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस दिशा में कार्य कर रही है कि हैरिटेज होटलों को न केवल पर्यटन योजनाओं का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए, बल्कि इनके संरक्षण के लिए विशेष इंसेंटिव्स और सर्टिफिकेशन सिस्टम को भी सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब राजस्थान को वैश्विक रोमांटिक हेरिटेज डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया जाए। इसके लिए जयपुर, शेखावाटी, उदयपुर, जोधपुर और आईएचएचए की 12 विशेष प्रॉपर्टीज को शामिल कर रोमांटिक हेरिटेज सर्किट बनाया जा सकता है, जो वेडिंग्स, फिल्म शूट्स, एमआईसीई और एक्सपीरिएंशल टूरिज्म के लिए विशेष रूप से आकर्षक हो। उन्होंने सुझाव दिया कि इसके लिए स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद योजना से फंडिंग प्राप्त की जा सकती है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कैसल कानोता में इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन के 12वें वार्षिक सम्मेलन में शिरकत की।

शेखावत ने हेरिटेज होटलों के आधुनिकीकरण के लिए हैरिटेज होटल मॉडर्नाइजेशन फंड की स्थापना और रोमांटिक हेरिटेज सर्टिफिकेशन शुरू करने की भी आवश्यकता जताई। वेडिंग टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए टूलकिट तैयार करने का सुझाव देते हुए शेखावत ने कहा कि आईएचएचए को फिल्म बोर्ड्स के साथ जोड़कर डिजिटल स्टोरीज़ और डॉक्युमेंट्रीज़ को प्रोत्साहन दिया जा सकता है। उन्होंने एसोसिएशन के सदस्यों से अपील की कि सभी होटल्स की ऑफिशियल मंजूरी और रिन्युअल्स समय पर करवाएं ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर पहचान मिल सके।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी सम्मेलन में भाग लिया और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं और अनुभव उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी नीतियां लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी में दी गई छूट से पर्यटन क्षेत्र को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने राजस्थान की मेहमाननवाजी पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यहां मेहमान को भगवान के रूप में देखा जाता है। दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान सरकार हेरिटेज संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि देश के कुल 206 हेरिटेज होटलों में से लगभग 140 केवल राजस्थान में स्थित हैं, जो प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और धरोहर का जीवंत प्रमाण हैं। आईएचएचए सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर जोधपुर राजपरिवार के गज सिंह, महासचिव कैप्टन गज सिंह अलसीसर, मान सिंह कानोता, विजय लाल, स्टीव बॉर्जिया, अमन नाथ, जोसे डोमिनिक सहित होटल और पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। दो दिवसीय इस सम्मेलन में हेरिटेज सेक्टर से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पर्यटन, विरासत संरक्षण, रोजगार, सांस्कृतिक पहचान और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा होगी। राजस्थान की धरोहरों और पर्यटन की दिशा में भविष्य की रणनीतियों पर भी मंथन होगा।

■ गजेन्द्र सिंह ने कहा "समय आ गया है जब राजस्थान को वैश्विक रोमांटिक हैरिटेज डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया जाए।"

दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर एक लाख रुपए ठगे

जयपुर । करधनी थाना इलाके में अश्लील वीडियो कॉल से ब्लैकमेलिंग कर एक लाख रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है। जानकारी में सामने आया कि दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर कॉल कर धमकाया । इस संबंध में पीडित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया।

■ अश्लील वीडियो कॉल कर ब्लैकमेलिंग की

जांच अधिकारी एसआई चन्द्रभान सिंह के अनुसार थाना इलाके रहने वाले 52 वर्षीय व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया है कि गत दिनों पहले वह घर पर था और रात उसके मोबाइल पर वाट्सएप वीडियो कॉल आया। कॉल उठाने पर एक युवती अश्लील हालत में दिखाई दी। वह अश्लील भाषा में बात करने और इशारे करने के लिए उकसाने लगी। गलत हरकतें देखकर वॉट्सऐप कॉल काट दिया। इसके बाद अगले दिन एक व्यक्ति का कॉल आया और कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद का नाम गौरव मल्होत्रा दिल्ली क्राइम ब्रांच का अधिकारी होने की बताते हुए कहा कि एक लड़की ने उसके खिलाफ शिकायत दी है कि उसने आपत्तिजनक वीडियो भी बना रखा है। जो आधे घंटे में वायरल होने वाला है। सामाजिक बदनामी और कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर धमकाते हुए वीडियो डिलीट करने को कहा। वीडियो डिलीट कराने के लिए वॉट्सऐप पर एक मोबाइल नंबर भी भेजा। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति का फोन आया कि आपने रात को वॉट्सऐप पर किसी लड़की से बात की थी। हमने आपकी वीडियो रिकॉर्डिंग कर रखी है। दोनों ने डरा-धमकाकर 1.08 लाख रुपए ले लिए। बैंक अकाउंट में रुपए खत्म होने पर परिचित से 15 हजार उधार लेकर भेजे थे। यू-ट्यूब से वीडियो डिलीट करने की एक रसीद भी भेजी गई। इसके बाद क्राइम ब्रांच अधिकारी बताने वाले गौरव मल्होत्रा ने दोबारा कॉल किया। कहने लगा कि वह लड़की मर चुकी है। उसके घरवालों से सेटलमेंट करो। बार-बार कॉल कर डरा-धमकाकर 3.50 लाख रुपए की मांग करने लगा। इस तरह की साइबर ठगी का पता चलने पर पीड़ित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया।

कांग्रेस 15 सितंबर से एक माह चलाएगी हस्ताक्षर अभियान

जयपुर । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रदेशभर में 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक एक माह का हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान चुनाव आयोग द्वारा चुनावों में पारदर्शिता समाप्त करने और आम आदमी के वोट के अधिकार पर हो रहे प्रहार के विरोध में आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर देशभर में वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार राजस्थान में यह हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है।

सार-समाचार

'ज्ञानदीप 2025' का हुआ आयोजन

जयपुर । शिक्षक दिवस के अवसर पर समाज में शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान को सरहाने और आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा का महत्व समझाना के लिए लायंस क्लब जयपुर डायमंड ने 'ज्ञानदीप 2025' का आयोजन अजमेर रोड स्थित एक होटल में किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़े अनेक शिक्षकों और विद्वानों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे राजस्थान के शिक्षा मंत्री, मदन दिलावर तथा पूर्व प्रशासनिक अधिकारी जगदीश चंद्र तथा अध्यक्ष, जयपुर व्यापार महासंघ, सुभाष गोयल और ओ.पी. अग्रवाल भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। क्लब की अध्यक्ष ममता पंचोली, सचिव प्रीति सक्सेना, कोषाध्यक्ष अनुप्रा शर्मा, चार्टर मेंबर्स, सुधीर जैन, तेजेंद्र गर्ग और अजय अग्रवाल ने सभी अतिथियों और उपस्थित शिक्षकों का आभार व्यक्त किया और इस कार्यक्रम को ज्ञान व सम्मान की एक अविस्मरणीय संध्या बताया। कार्यक्रम में आर. एस. मदान, आलोक अग्रवाल, अशोक जिंदल, अजय डोगरा, पराग श्रीवास्तव, प्रवीण जैन और शुभम शर्मा की विशेष उपस्थिति रही। इस मौके पर शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सुनीता बियोत्रा, डॉ. देवेंद्र कुमार शर्मा, इकबाल कुरैशी, जफर इकबाल, देवेंद्र कुमार भगत, गोविंद सैनी, निमिषा भट्ट, ममता शर्मा, डॉ. मीतू माथुर, डॉ. कल्पना रावत, प्रो. कनिका वर्मा, प्रो. रेशम बूलचंदानी, प्रो. शुभा दुबे, मीता माथुर, रेनू शर्मा, धीरज शर्मा, विमला कुमावत, डॉ. दीपा सचदेवा, डॉ. अनुराग प्रसाद, डॉ. दीपिका विजयवर्गीय, हेमलता शर्मा, डॉ. रीमा शाह, डॉ. दीपक शर्मा, प्रभा शर्मा, डॉ. पूनम धवन सहित कई अन्य शिक्षकों को 'ज्ञानदीप सम्मान' से नवाजा गया।

अध्यक्ष उमेश सोनी का जन्मदिवस मनाया

जयपुर । माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष उमेश सोनी का 56वाँ जन्म दिवस शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज बंधुओ के बीच उमेश सोनी का मालार्पण व साफा पहना कर स्वागत किया गया। जन्मदिवस के शुभ अवसर पर उमेश सोनी ने कहा कि हमारी टीम के कार्यकाल के दौरान समाज में नए नवाचारों की स्थापना होगी । इस अवसर पर चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता (खटोड़) सतीश सारडा, राजरूप मालू, एडवोकेट मनीष गगरानी, कंचन सोनी, नेहल सोनी, पूनम भाला, स्नेह लता साबू अविनाश लड्ढा, आलोक माहेश्वरी सहित काफ़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोगों ने शिरकत की ।

मूट कोर्ट प्रतियोगिता का समापन आज

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय पंचवर्षीय विधि महाविद्यालय (यूएफवाईएलसी) द्वारा 13वीं रांका मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 7 सितंबर 2025 तक किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता आपराधिक कानून से संबंधित समकालीन विधिक मुद्दों पर केंद्रित है। इसमें 17 राज्यों से 70 दल भाग ले रहे हैं, जिनमें पंजाब, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, दादरा एवं नगर हवेली, बिहार आदि शामिल हैं। नेपाल से भी एक अंतरराष्ट्रीय दल प्रतिभाग कर रहा है। उद्घाटन समारोह राजस्थान विश्वविद्यालय के ह्यूमैनिटीज़ हॉल में 6 सितंबर को हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति जे. के. महेश्वरी (न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय) तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. न्यायमूर्ति पुष्पेन्द्र सिंह भाटी (न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय) तथा विशेष अतिथि कुलदीप रांका (अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान रहे। इस अवसर पर डॉ. संजुला थानवी (डीन, विधि संकाय, यूओआर), न्यायमूर्ति जे. के. रांका (उपाध्यक्ष, रांका पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट), प्रो. अल्पना कटेजा (कुलपति, यूओआर) और श्री सिद्धार्थ रांका (सचिव, रांका पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट) भी उपस्थित रहे। यूएफवाईएलसी की निदेशक डॉ. अंकिता यादव ने अतिथियों का स्वागत किया।

झोटवाड़ा में विज्ञान शिक्षा को नई उडान

जयपुर । झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों में अब विज्ञान की पढ़ाई स्थानीय स्तर पर ही सुलभ होगी। कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के सतत प्रयासों से क्षेत्र के इन विद्यालयों में विज्ञान संकाय की नियुक्ति की गई है। इससे न केवल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, बल्कि उन्हें विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर भी प्राप्त होंगे। कर्नल राठौड़ ने कहा कि यह नियुक्तियां सिर्फ एक प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। उन्होंने कहा कि झोटवाड़ा क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के छात्रों को अब विज्ञान की पढ़ाई के लिए दूसरे इलाकों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय, संसाधन और ऊर्जा की बचत के साथ-साथ शिक्षा में निरंतरता भी बनी रहेगी। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों में विज्ञान संकाय की यह नियुक्ति झोटवाड़ा क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर ही भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान जैसे विषयों में गहराई से अध्ययन करने का अवसर मिलेगा। इस पहल से लाभान्वित होने वाले विद्यालयों में महलां की ढाणी (पचार), चक बावड़ी (सरणा डूंगर), खीरवा (लोहारवाड़ा), बेगस, बोयथावाला, धानक्या, आसलपुर, भैंसावा, कालवाड़, करणसर और जोबनेर के विद्यालय शामिल है।

11 शिक्षकों का सम्मान किया

जयपुर । हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रांत स्तर पर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 11 विशिष्ट शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की स्वागताध्यक्ष डॉ. ममता शर्मा ने बताया कि यह सम्मान उन शिक्षकों को समर्पित है जिन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। सम्मानित शिक्षकों में प्रो. प्रहलाद सहाय बुनकर (संस्कृत), प्रो. मीरा सिंह (अंग्रेजी), प्रो. हेतराम मीणा (लोक प्रशासन), प्रो. रश्मि वशिष्ठ (राजनीति विज्ञान), प्रो. सौरभ शर्मा (इतिहास), प्रो. भावना शर्मा (राजनीति विज्ञान), प्रो. किरण जैफ (भूगोल), डॉ. सौरभ पहाड़िया (अर्थशास्त्र), सपना यादव (अंग्रेजी), डॉ. दुर्गा गहन (हिंदी) और संगीता बुनकर (हिंदी) शामिल रहे। सभी शिक्षकों का माल्यार्पण, शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. केशव बढ़ाया, कुलाधिपति, छत्रपति शिवाजी महाराज विश्वविद्यालय, मुंबई ने कहा कि शिक्षक समाज का प्रकाश स्तंभ होता है। शिक्षक ही अज्ञानता के अंधकार को दूर कर विद्यार्थियों को नैतिकता, अनुशासन और ज्ञान का मार्ग दिखाते हैं।

बीएसएनएल केबल चुराने वाला पकड़ा

जयपुर । जालुपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीएसएनएल विभाग की केबल चोरी करने वाले मुख्य आरोपी को धर-दबोचा है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित बडी वारदात को अंजाम देकर पश्चिमी बंगाल भागने की फिराक में था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि जालुपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीएसएनएल विभाग की केबल चोरी करने वाले मुख्य आरोपी रहीफुल शेख निवासी मोथा बाड़ी जिला मालदा (पश्चिम बंगाल) हाल भट्टा बस्ती जयपुर को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब्दुल अलीम, फिटु शेख, मोहम्मद गयास को गिरफ्तार किया जा चुका है।

Superhuman Day 2025

Celebrated on September 7, Superhuman Day honours individuals who push beyond ordinary limits, inspiring others with resilience, determination, and extraordinary spirit. From athletes overcoming physical challenges to everyday heroes breaking barriers in science, arts, and society, the day is a reminder that 'superhuman' strength often comes from within. It encourages people to recognize their own potential, celebrate perseverance, and admire those who redefine boundaries of human ability. Observed worldwide, the day promotes positivity, empowerment, and a deeper appreciation for human courage and innovation that make ordinary lives truly extraordinary.

#INDIAN

Dungarees Dongri

The Global Fashion Staple with Indian Roots!

Today, dungarees, also known as overalls in some parts of the world, are a symbol of rugged workwear, retro fashion, and youthful rebellion. From fashion runways in Paris to casual wardrobes in New York, they've become a timeless garment embraced by many cultures. But few realize that the name 'dungarees,' and perhaps the fabric itself, originated in India.

Origin in Dongri, India

The word *dungaree* is believed to have originated from Dongri, a dockside village near Mumbai (formerly Bombay), India. During the British colonial era, this area was known for producing a coarse, durable cotton cloth. The fabric made in Dongri was called 'dungri' by the locals, and it was used primarily for workwear by laborers due to its toughness and affordability. When British merchants began trading with India in the 17th century, they exported this practical fabric back to Europe. Over time, 'dungri' was anglicized to 'dungaree,' and the term started to refer not just to the cloth, but also to garments made from it, particularly the functional, bibbed overalls we know today.

From Indian Workwear to Global Icon

Initially, dungarees were used as workwear in industrial settings, worn by miners, railroad workers, farmers, and mechanics due to their hard-wearing nature. The garment offered comfort, protection, and functionality, with large pockets and sturdy seams. In the United States, dungarees became synonymous with denim overalls, especially during the late 19th and early 20th centuries. Brands like Levi's and OshKosh B'gosh popularized them among American workers and, later, children's clothing lines. By the 20th century, dungarees had shed their purely utilitarian image and entered the realm of mainstream fashion. In the 1960s and 70s, they were embraced by counterculture youth movements as a symbol of rebellion and individuality. In the decades since, they've evolved into a fashionable, gender-neutral item worn across age groups and cultures.

India's Quiet Contribution to Global Fashion

The story of dungarees highlights a broader truth often overlooked: India's deep and lasting influence on global textile history. From muslin and calico to khadi and dungaree, Indian fabrics and weaving traditions have traveled across oceans, shaped economies, and defined styles. In today's globalized fashion industry, where the origins of trends and textiles are often forgotten, it's worth remembering that what we wear often carries the legacy of places like Dongri, small, local communities whose craftsmanship changed the course of fashion history.

The village kids were cool too. They generally talked in Ladakhi with each other, but used Hindi (which they claimed to have learnt only because of watching TV) in my presence. They didn't know much English, so, I got a lot of attention that one time, I ever slipped my tongue and called my sister an idiot. Overall, they were all really nice and genuine people and I haven't met many of those since then.

My Lovely School Going Days

#FREE BIRD

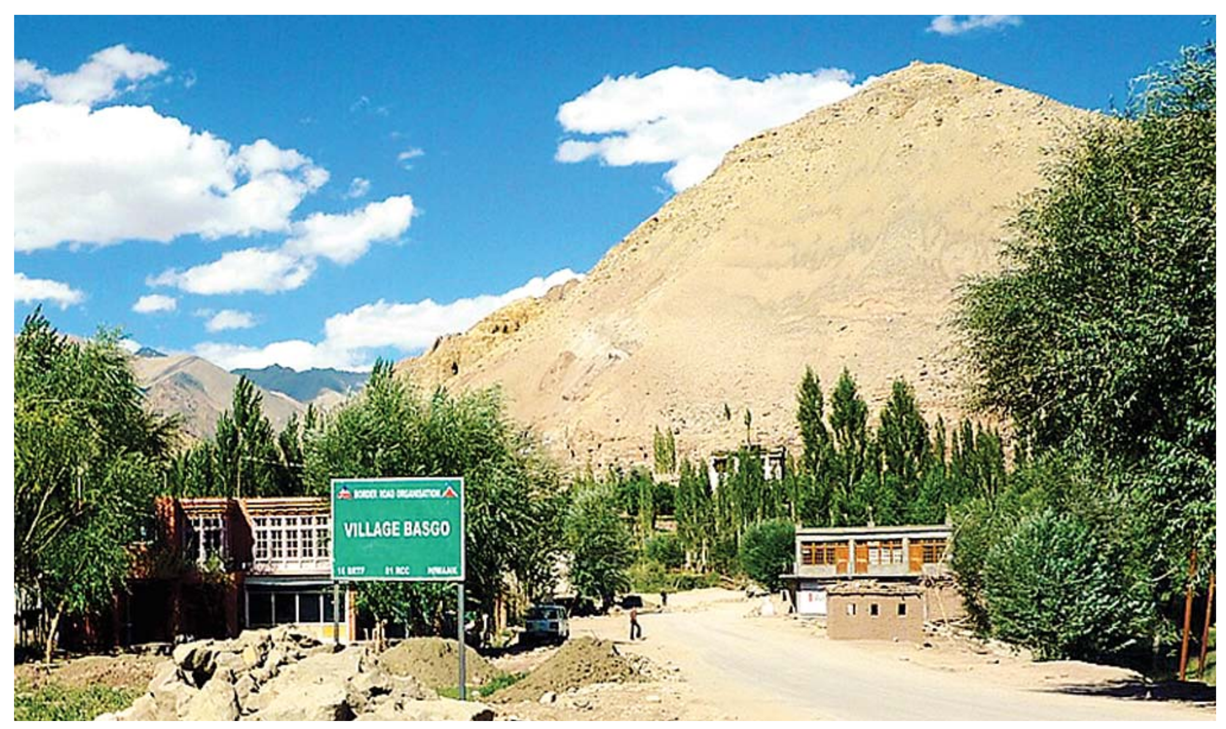

Myra Sethi

I've read all these dramatic texts/ watched all these dramatic movies about kids moving to middle school (or any other school or city in general) for the first time, saying goodbye to their old friends, being overwhelmed by new rules, teachers and classmates, and basically feeling like they don't belong anymore. I mean, I can sympathise with these people, but I can't quite understand how it feels.

Since I'm an Army brat, I've been to a lot of different places, lived in different conditions, and studied in different schools. In fact, my current (and probably last) school is the ninth school I have studied in. My time in these schools generally lasted between six months and two years (though, one of them lasted four years). All my life I've been trained to hop from one place to the next and I don't particularly remember missing any of my old schools.

Until...

We left for Ladakh right after my sixth-grade exams in Delhi were over. I had lived in Jammu before and also lived in a hill station in Tamil Nadu, but neither of them had quite prepared me for those huge Himalayan mountains with whom we now lived. It was literally a whole new world, with an unusually blue day sky and amazingly black night sky, dotted with a million stars as I'd only seen in movies. The ground was almost never flat, the roads were never straight, and there wasn't much vegetation. It was an awesome place, even if we had to eat an unusual amount of canned food and cup noodles before the cargo mountain passes opened in April.

Our cantonment was located on the riverbank of Indus, in Nimu which was forty kilometres away from the main city Leh. And Leh was the only place in Ladakh which had reputed schools like Delhi Public School and Army Public School. If we were to enroll in any of those, we would have to travel for one hour to reach school and another hour to come back.

Instead, my sister and I, along with a fellow preschooler, were enrolled at the nearest local school called 'Government High School.' It was around fifteen minutes away in a village called Basgo. My parents weren't sure about this decision at first, but later, they just rolled with it. And I'm pretty thankful that they did. So, the first fascinating fact about this school was that it had around 39 students. I mean, not 39 students per class, 39 students in the entire school. The number of students per class ranged from 0 (third and fourth grade) to 10 (ninth and tenth grade). I was a seventh-grader, and I had three classmates, all of whom became my friends.

The school ground was about as big as two Olympic-sized badminton courts, which easily accommodated the entire school for assemblies. There was only a ground floor and we only had as many classrooms as we needed. We also had an awesome science lab and a big beefy library. Nursery, KG, and prep had a common (and arguably, the best) classroom and were taught pretty much the same things.

One memorable thing about those classrooms, though, was that we were the ones who cleaned them. Since there were four of us, two of us had to fill a tin of water and splash it all over the dusty wood before the other two swept the floor. Even in school and cultural events, it was the teachers and students who did the cooking, cleaning, and setting up. When I told my parents this, they were a bit baffled at first, but then they decided that it was a good learning experience (suuuurrreeee...).

The house system in this school was a little different. First of all, there were three instead of four, and the colour of the Indian tricolour, saffron, white and green. In that order, they were named after the three main rivers that flowed through Ladakh, that is, Zanskar, Indus and Shyok. The houses just seemed like a formality, though, because we had no inter-house competitions, no reason for rivalry.

The village kids were cool too. They generally talked in Ladakhi with each other, but used Hindi (which they claimed to have learnt only because of watching TV) in my presence. They didn't know much English, so, I got a lot of attention that one time, I ever slipped my tongue and called my sister an idiot. Overall, they were all really nice and genuine people and I haven't met many of those since then. There were also these two shaggy-haired Himalayan stray dogs who wandered around the school grounds. Since I'm an animal person, I befriended them on the very first day and called them Tommy and Olive. I shared my cold food with them on most days and they were cool. Sometimes, I even attended class while petting a dog beside me, because the school was pretty lenient that way.

> I also got to learn a new language that I'd never even heard of, Bodhi aka Ladakhi. This was the first time I had to learn a whole new script. It was also the only subject I had no hope of topping in. Still, it was a cool language. I also have this weird habit of subconsciously morphing my vocabulary and accent depending on who I'm interacting with the most often.

We didn't even need to be in the classroom to study. Sometimes, we just sat under the apple tree in the middle of the school grounds and studied there. Sometimes, we studied under the three House flags, sometimes, the Science lab/Library room, and sometimes, in the forest (which I'll come to later). Basically, it didn't matter much where we studied.

The studies themselves were also quite different here. One noticeable detail was the importance of practical work. Our Science teacher often brought chapter-related things like different soil types, rocks, leaves, roots etc. to show us and explain their differences. This was also the first school in which I had access to a Science lab, and I got to do a bunch of things for the first time like using a microscope and making a simple battery-and-bulb circuit. That was the kind of Science (and education in general) I had always dreamed of.

Our school activities were also pretty cool. Instead of making pointless project reports and Power Point presentations like we have to do nowadays, each student was given a square-metre plot of land in the school bordered with stones. All we had to do was make the best garden possible before winter. I chose to grow a few cool flowers (the names of which I no longer remember) and cabbages (to attract white cabbage butterflies). I had never had as much fun in a school project as I did then, and I probably never will.

(And no, I didn't win the competition because I was competing with people who grew plants for a living.)

Instead of Formative Assessments or Periodic Tests, what we had there were called 'Unitary Tests,' and they were worth six marks. Since most of you haven't given a six-marks test before, you probably don't know how gamble-y they can feel. If you mess up a question in an eighty mark test, you can make up to it by rocking your other questions. Not for a six mark test though, you either know a question or you don't. It's an all-or-nothing situation. My sister and I topped the school in the end, so I'm not exactly complaining.

I also got to learn a new language that I'd never even heard of, Bodhi aka Ladakhi. This was the first time I had to learn a whole new script. It was also the only subject I had no hope of topping in. Still, it was a cool language. I also have this weird habit of subconsciously morphing my vocabulary and accent depending on who I'm interacting with the most often. Since I heard my friends talking to each other in Ladakhi quite often, I ended up picking up some of their slangs which would've been mildly embarrassing to utter once I was back on the lower altitude.

The lunch breaks were one hour long, which was absolutely wonderful. Since it was a government school, we didn't have separate timetables for separate days. Sure, it meant that we had to study all the subjects every day... but guess what? We even had a Games period in that timetable. You read that right folks, Games for the whole school, every single day! We had our Games period in this stunning forest that they called the 'Baagh.' There was a little volleyball court in the middle, but apart from that, it was pretty big. The trees were really tall and wide apart so it was almost impossible to get lost. In the lunch break, I often went deep inside the woods (Don't judge me, I'm still an introvert who needs alone time), sat on some dry leaves and stayed there till I heard the bell. Sometimes, the dogs accompanied me, but usually I was all alone except a bunch of ravens. I almost had a functional survival base (complete with hidden food) there by the time the session ended.

Speaking of sessions, the working months of this school were different from its lower altitude counterparts, the reason being insanely cold winters. As a result, sessions officially ended in October, began literally a few days later and had a winter break mid-November, before restarting school in April. Of course, since Army families were not allowed to stay in Ladakh during -40 degree winters, we moved back to Delhi right after finishing school. Since there was such a time rift between the two education systems, I got a free ginormous six-month break from seventh to eighth grade. What an amazing stroke of luck that was!

Overall, I'm really glad I got to attend that school, or even live in Ladakh in general, because it was one of the best places my dad's job has ever gotten us into. And I'll never forget the friends I made there either, whether it be the students, the teachers or the dogs.

rajeshsharma1049@gmail.com

#MITAOLI

You've Got To See Chausath Yogini Temple

The Chausath Yogini Temple, constructed in the 11th century near Gwalior in M.P., is one of the few remaining Yogini Temples still in good condition

In ancient times, the Yogini Temples of India celebrated the feminine. They were built in a circular style, adorned with exquisite feminine figures, and roofless, open to the natural world. This was a time when female temple dancers, bejeweled and sensuous, danced and sang in the temples, and were bound to the deity, not to any one man.

The Chausath Yogini Temple of Mitaoli was one such temple. Constructed in the 11th century, near Gwalior in Madhya Pradesh, it is one of the few remaining Yogini Temples still in good condition. Built on a hillock, it commands an impressive vista. The circular wall has 64 ('chausath' means 64) chambers that once held statues of female forms. In the center is an open courtyard with a pavilion for public rituals, including dancing. The chambers hold Shiva Lingams.

The temple is in a Seismic Zone 3, and has withstood the many earthquakes over the centuries without any damage, probably owing to its circular structure. This feature may have been one of the reasons that the Indian Parliament House in Delhi, built by the British in the 1920s, was inspired by the Chausath Yogini Temple of Mitaoli and also built in a circular style. The architectural similarities between the buildings are well noted.

According to Indian mythologist Devdutt Patanaik, this is ironic as the British suppressed goddess worship in India, and saw temple dancers as prostitutes, not believing they could have agency over their lives or bodies. They ushered in an era of patriarchal puritanism that reduced women's rights and delegitimized the feminine hold over temple rituals and temple wealth, already eroded by centuries of Mughal rule.

A Yogini is a female practitioner of Yoga, and they represent universal, divine energy that exists in all things. They are the embodiment of spiritual grace and harmony. The Yogini Temples, like the one at Mitaoli, were built by ancient architects who 'imagined the temple as the reclining body of a languid woman. Temples were an architectural celebration of sensuality and fertility,' according to Patanaik.

Many visitors feel an aura of mystery at this Yogini Temple, and the others that have survived. There is very little known about them, so much has been lost to time. The Yogini Temple in Orissa still has the feminine figures intact, which gives us a better idea of how the Chausath Yogini Temple of Mitaoli may have looked. The Chausath Yogini Temple of Mitaoli has been declared an ancient historical monument by the Archaeological Survey of India.

THE WALL

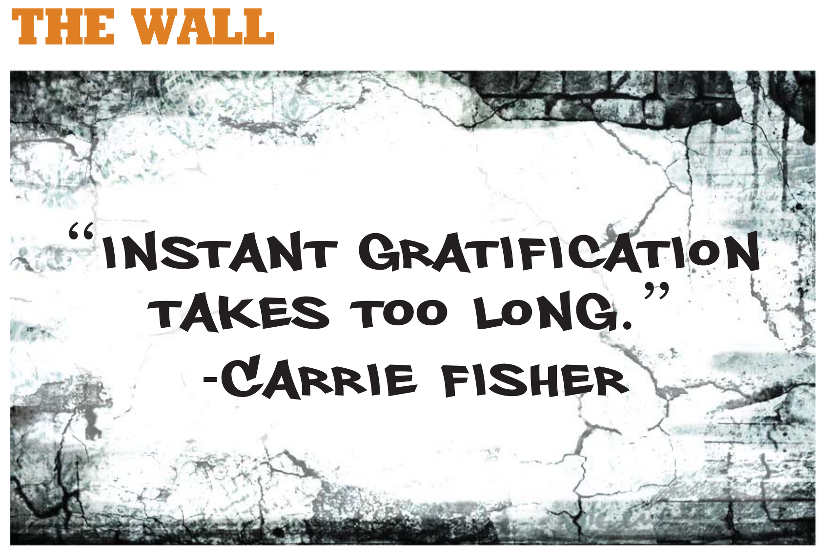

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

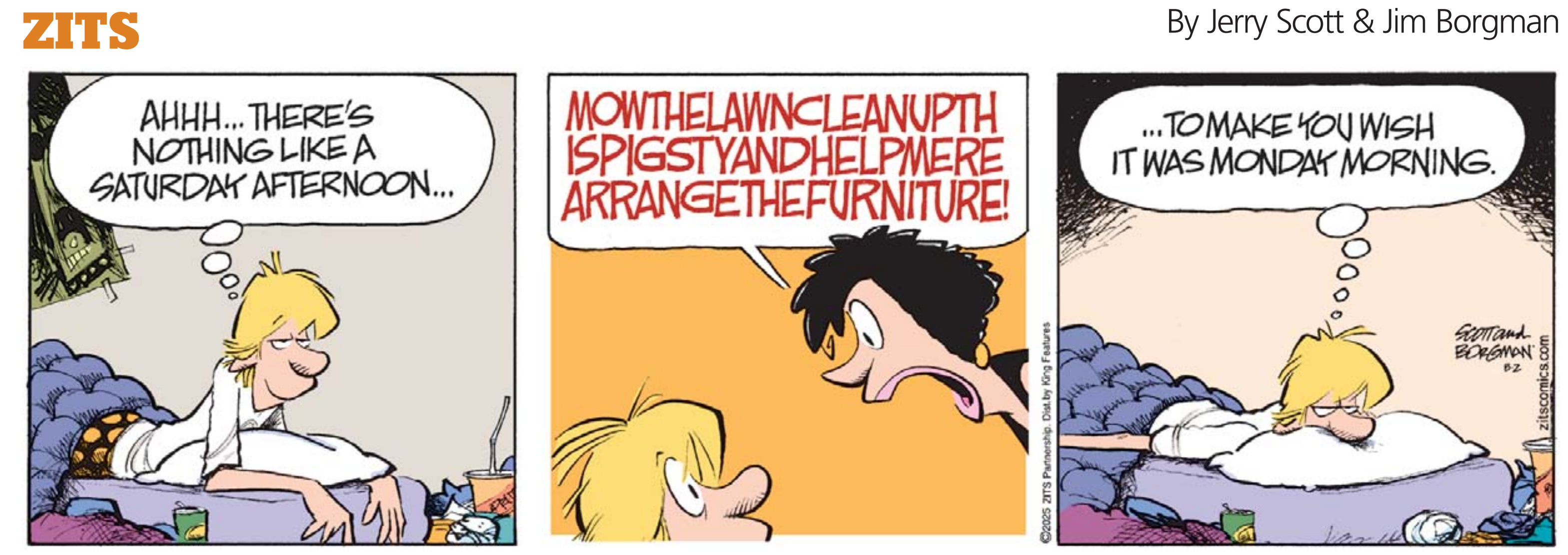

युवक का अपहरण व मारपीट मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

युवक के साथ मारपीट के प्रकरण में अब तक 10 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं

रतनगढ़, (निसं)। शहर के संगम चौराहे से एक युवक का अपहरण कर उसके साथ डकैती व मारपीट करने तथा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पांच और आरोपियों को दबोच लिया। अब तक इस प्रकरण में कुल 10 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

मामले के अनुसार, सरदारशहर तहसील के गांव देराजसर निवासी 32 वर्षीय कृष्णकुमार मेघवाल ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई दिलीप मेघवाल, जो निजी स्लीपर बस में परिचालक है और रतनगढ़-सूरत रूट पर कार्यरत है, 17 अगस्त की सुबह ड्यूटी पर जाने के लिए संगम चौराहे पर खड़ा था। तभी गांव के कुछ लोग मोटरसाइकिलों पर आए और उसे बहला-फुसलाकर सरदारशहर तहसील के गांव डेराजसर की रोही में ले गए। वहां दिलीप को पेड़ से बांधकर लाठी-डंडों से जमकर मारपीट की गई। इस दौरान मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू की। अधिकारियों के निर्देश पर सीआई दिलीपसिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

पुलिस ने मारपीट व लूट मामले में पांच जनों को गिरफ्तार किया।

- युवक को पेड़ से बांधकर मारपीट कर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था

जांच अधिकारी रामनिवास ने बताया कि शुक्रवार को राणासर बस स्टैंड से बिशनलाल पुत्र हनुमानराम, शिशुपाल पुत्र माहिचंद, बृजेंद्र पुत्र इंद्राज, भैराराम पुत्र गोपीराम (निवासी डेराजसर, तहसील सरदारशहर) तथा भवानी पुत्र बुधाराम (निवासी राणा) को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले भी सूरजप्रकाश नायक, लालचंद नायक, दिलीप नायक, भैराराम नायक और विनोद नायक को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो बाइक भी जब्त की है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और पूरे गिरोह का पर्दाफाश जल्द किया जाएगा।

डकैती मामले में चार माह से फरार चार आरोपी गिरफ्तार

भाबरु थाना पुलिस ने डकैती के चार आरोपियों को जयसिंहपुरा से गिरफ्तार किया है।

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो बाइक बरामद की है
- शराब ठेके पर सेल्समैन पर हमला कर 1.50 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए थे

पावटा, (निसं)। भाबरु थाना पुलिस ने छह माह से फरार चल रहे डकैती के चार आरोपियों को जयसिंहपुरा से गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो बाइक बरामद की है। कोटपुतली-बहरोड़ जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई ने बताया कि पुलिस थाना भाबरु क्षेत्र से मामले में करीब छह माह से फरार चार आरोपी तेजपाल, अशोक, सचिन, सुरेंद्र को ग्राम जयसिंहपुरा से पकड़ा गया है।

एसपी विश्नोई ने बताया कि वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में गठित टीम ने सूचना संकलन कर मुल्जिमों की तलाश करते हुए पूर्व में दो विधि से संघर्षरत बालकों को निरुद्ध किया गया। वहीं बाकी मुल्जिमों की तलाश करते हुए तेजपाल सिंधू पुत्र बीरबल निवासी ढाणी मेहताला तन बजरंगपुरा, अशोक कुमार सिंधू पुत्र तेजपाल निवासी ढाणी मेहताला तन बजरंगपुरा, सचिन पुत्र शिवपाल निवासी रूपपुरा, सुरेंद्र पुत्र ओमप्रकाश निवासी चांदोली को गिरफ्तार किया जाकर घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें जब्त की।

घटना की जानकारी देते हुए भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया ने बताया कि गत 14 अप्रैल को परिवादी दलीप कुमार जाट पुत्र रामचंद्र निवासी करवास ने पुलिस थाना पनियाला में मामला दर्ज करवाया था कि मेरी बागावास में अंग्रेजी व देशी शराब की दुकान है, जिसका लाइसेंस मेरी पत्नी खामोश देवी के नाम है। 14 अप्रैल समय शाम करीब 4.20 बजे तेजपाल सिंधू पुत्र बीरबल व 8 लड़के व 2 अन्य मोटरसाइकिल पर सवार होकर ठेके पर आए व लूट व जान से मारने की नियत से सेल्समैन पर हमला कर उसका सिर फोड़ दिया व गल्ले से 1 लाख 50 हजार रुपए लूटकर ठेके में तोड़फोड़ कर सेल्समैन विकास जाट से मारपीट कर फरार हो गए। घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया।

अजमेर के बोराज में अशोक गहलोत अपनों में ही उलझे रहे, आपदा पीड़ित हुए नाराज

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने जल प्रभावित अधिकांश स्थानों का सर्वे अपनी गाड़ी में बैठकर ही किया

- कई पीड़ितों ने मौके पर ही अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा कि वे इतनी बड़ी विपदा में फंसे हैं और उन्हें अपनी बात कहने का मौका तक नहीं मिल पा रहा है

अजमेर, (कासं)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शनिवार को अजमेर के बोराज में तालाब की पाल टूटने से आई भीषण आपदा का निरीक्षण करने पहुंचे। हालांकि, यह दौरा कुछ मायनों में चर्चा का विषय भी बना रहा, जहां एक ओर गहलोत को अपने ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ ने घेरे रखा, वहीं दूसरी ओर आपदा प्रभावित लोगों को उनसे मिल पाने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा, जिससे पीड़ितों में नाराज़गी देखने को मिली।

तीन घंटे की देरी से पहुंचे, गाड़ी से सर्वे किया :- अपने तय कार्यक्रम से लगभग तीन घंटे की देरी से दोपहर बाद अजमेर पहुंचे अशोक गहलोत सीधे बोराज के आपदा प्रभावित क्षेत्रों के लिए रवाना हुए। उन्होंने अधिकांश स्थानों का सर्वे अपनी गाड़ी में बैठकर ही किया।

प्रभावितों ने जताई नाराज़गी : कार्यकर्ताओं की भीड़ के कारण पूर्व मुख्यमंत्री से सीधे बात नहीं कर पाने से आपदा प्रभावित परिवारों में नाराज़गी देखने को मिली। कई पीड़ितों ने मौके पर ही अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा कि वे इतनी बड़ी विपदा में फंसे हैं और उन्हें अपनी बात कहने का मौका तक नहीं मिल पा रहा है।

एक क्षतिग्रस्त मकान के पास रुके, सुनी लोगों की पीड़ा :- गहलोत ने बाद में एक क्षतिग्रस्त मकान के पास रुककर कुछ स्थानीय लोगों से सीधे मुलाकात की। पीड़ित महिला ने रोते हुए कहा कि उसके घर का सभी सामान खत्म हो गया। इस दौरान लोगों ने उन्हें अपने घर के नुकसान के बारे में जानकारी दी और तत्काल राहत की मांग की।

मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से इस आपदा से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी के गठन की मांग की। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री को तुरंत एक कमेटी का गठन करना चाहिए, साथ ही एक-एक घर का सर्वे होना चाहिए, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर पीड़ितों को उचित और समयबद्ध राहत मिल सके। गहलोत ने कहा कि बोराज में हुआ नुकसान आंकलन से कहीं अधिक है और सरकार को इस पूरे मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भी ठोस कदम उठाने की आवश्यकता बताई।

नाबालिग छात्रा ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। कोटा के महावीर नगर थाना इलाके में एक नाबालिग नवीं कक्षा की छात्रा ने घर में रखा फिनाइल पी लिया, जिसकी तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां छात्रा की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

महावीर नगर थानाधिकारी रमेश काविया ने बताया कि बारां जिले के छीपाबडौद कस्बे की 16 वर्षीया छात्रा जो हाल कोटा के महावीर नगर तृतीय में अपनी बुआ के पास रहकर नवीं कक्षा में पढ़ाई कर रही थी। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि मोबाइल को लेकर परिजनों ने बालिका से कुछ कह दिया था। जिससे नाराज नाबालिग बालिका ने घर में रखा फिनाइल पी लिया। बालिका को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसे में चार महिलाओं की मौत

बौंली-बामनवास, (निसं)। बौली क्षेत्र से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर शनिवार शाम करीब चार बजे एक सड़क दुर्घटना में चार महिला पैदल यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई एवं दो गंभीर रूप से घायल हो गई, जिन्हें लालसोट चिकित्सालय में उपचार के लिए ले जाया गया है, मृतक महिलाओं को बौंली चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया गया है।

चिमनपुरा गांव थाना लालसोट से यात्रियों का एक दल शनिवार को बिजासन माता खुरा गांव से पूजा-अर्चना कर वापस लौट रहा था। मोरेल नदी में पानी की आवाक अधिक होने के कारण उनका ट्रैक्टर पास नहीं हो पाया। इस कारण यात्री पैदल ही दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर होते हुए गांव चिमनपुरा वापस आ रहे थे, इसी दौरान घाटा- नैनवाड़ी के पास प्याज से भरे एक ट्रोले ने पैदल चल रही यात्रियों को कुचल दिया, सड़क दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि मृतकों के हाथ पैर टूटकर अलग-अलग हो गए। सूचना पाकर लालसोट थाना प्रभारी किशन मीणा, बौंली एवं मित्रपुरा पुलिस एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। इसके बाद मृतकों को बौंली चिकित्सालय लाया गया एवं घायलों को लालसोट चिकित्सालय में उपचार के लिए ले जाया गया। जहां दोनों घायलों की हालत खतरे के बाहर बताई जा रही है। मृतकों में लीला देवी मीणा, उगंती मीणा, धोली देवी मीणा, चाईना मीणा की मौके पर ही मौत हो गई, एवं संगीता मीणा व मंजू मीणा का लालसोट चिकित्सालय में उपचार चल रहा है, जिनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सभी मृतक लालसोट तहसील चिमनपुरा एवं दोसा के विजयपुरा गांव की रहने वाली थी।

हत्या के मामले में सात साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

- आरोपी हत्या के बाद दिल्ली जाकर मजदूरी करने लगा था
- ताऊ के बेटे की मौत पर गांव आने पर आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

सीकर, (निसं)। सीकर की खंडेला पुलिस ने हत्या के मामले में सात साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी हत्या के बाद दिल्ली भाग गया था और मजदूरी करने लगा था। ताऊ के बेटे की मौत पर गांव आने पर पकड़ा गया। मृतक आरोपी के बहनोई की बहन से बात करता था। इस बात पर दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ था।

खंडेला थाना प्रभारी इंद्रप्रकाश यादव ने बताया कि हत्या के आरोपी महेश कुमार योगी (32) पुत्र वठालाल योगी निवासी गिरावडी मोड को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। आरोपी मोबाइल नहीं रखता था। इस कारण उसकी लोकेशन भी पता नहीं चल रही थी। उसकी संभावित जगहों पर दबिश दी लेकिन कुछ पता नहीं चल रहा था। अब 3 दिन पहले अपने ताऊ के बेटे की मौत शोक सभा में शामिल होने गांव आया था। पुलिस ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दिल्ली में रहकर मजदूरी करने लगा था।

थाना प्रभारी ने बताया कि मामले को लेकर 12 अप्रैल 2018 को महेश कुमार निवासी कांवट ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया था कि 11 अप्रैल 2018 को दोपहर 3 से 4 बजे के बीच उसके भाई हंसराज के पास महेश योगी के बहनोई सरदारमल का कॉल आया था। सरदारमल से मिलने के लिए हंसराज पर बाइक गया था, लेकिन अगले दिन तक वापस नहीं लौटा। इस पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। खंडेला पुलिस चौकी से दोपहर से सूचना मिली कि एक डेड बॉडी सलेदीपुरा बीहड़ में पड़ी है। पहचान करने पर शव हंसराज का मिला। मृतक के भाई महेश कुमार ने बताया कि हंसराज महेश योगी के बहनोई सरदारमल की बहन से बातचीत करता था। इस बात को लेकर सरदारमल नाराज चल रहा था। ऐसे में उसने अपने साथियों के साथ मिलकर हंसराज की हत्या कर दी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में सबसे पहले सरदारमल को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया था कि उसके साथ वारदात में महेश योगी भी शामिल था। पहले हंसराज को शराब पिलाई। उसके बाद गला रेतकर तेजाब डाल दिया था।

विवाहिता को बंधक बनाकर दुष्कर्म

बीकानेर, (निसं)। खाजूवाला में एक विवाहिता को बंधक बनाकर दुष्कर्म, अश्लील फोटो वीडियो से ब्लैकमेल और जान से मारने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की ओर से खाजूवाला थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि उसका पड़ोसी कमलेश नायक का घर आना-जाना था। उसने अपने जाल में फंसा लिया।

पांच माह पूर्व जेवरात के साथ उसे अपने साथ ले गया और बंधक बनाकर रखा। उसके साथ दुष्कर्म करता और अश्लील फोटो वीडियो बना लिए जिन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। शराब पीकर उससे मारपीट करने लगा। दो सितंबर की रात को भी शराब पीकर मारपीट की। जान से मारने के लिए चुन्नी के फंदे से गला घोंटकर मारने का प्रयास किया। पीड़िता जान बचाकर भागी तो बाइक से उसे टक्कर मारी जिससे वह चोटिल हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज किया है जिसकी जांच एसएचओ सुरेन्द्र प्रजापत करेंगे।

पिपलोदी हादसा : सांसद किरोड़ी लाल ने पीड़ित बच्चों के परिजनों से मुलाकात की

सांसद किरोड़ी लाल ने अपने वेतन से मृतकों के परिवारों को 1-1 लाख तथा घायल बच्चों को 10-10 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की

झालावाड़/छीपाबड़ौद। झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव के राजकीय विद्यालय में हाल ही में हुए हृदयविदारक हादसे ने पूरे क्षेत्र को शोक संतप्त कर दिया है। राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने शनिवार को स्वयं गांव पहुंचकर पीड़ित बच्चों के परिजनों और ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने घटना की पूरी जानकारी ली और शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह क्षति अपूरणीय है। सांसद किरोड़ी लाल ने मानवीय संवेदना के तहत अपने वेतन से मृतकों के परिवारों को 1-1 लाख तथा घायल बच्चों को 10-10 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया और कहा कि इस दु:ख की घड़ी में वे अकेले नहीं हैं। ईश्वर से प्रार्थना करते हुए उन्होंने कहा कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और शोक संतप्त परिवारों को यह असहनीय दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें।

इस अवसर पर सांसद ने ग्रामीणों से क्षेत्र की अन्य समस्याओं के बारे में भी जानकारी ली और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए ताकि त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कराया जाएगा।

इसी दिन छीपाबड़ौद क्षेत्र से एक और संवेदनशील खबर सामने आई, जिसने सांसद को भीतर तक झकझोर दिया। महेन्द्र नागर नामक किसान ने खाद वितरण में हो रहे शोषण और अनावश्यक अटैचमेंट के विरोध में दिल्ली तक साइकिल यात्रा आरंभ की। इस विषय में जानकारी मिलने पर किरोड़ी लाल ने नागर से दूरभाष पर बातचीत कर उनकी समस्या को गंभीरता से सुना और उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। सांसद ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रदेश के सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यूरिया और डीएपी खाद के साथ किसी भी प्रकार के अटैचमेंट को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि निर्देशों का पालन नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किरोड़ी लाल ने दो टूक कहा कि किसानों का हित सर्वोपरि है और खाद वितरण में किसी प्रकार की जबरदस्ती या शोषण अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने किसानों से संयम बनाए रखने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार और प्रशासन उनके साथ है।

पाटन में डाबला बाजार की जर्जर सड़क से हादसों का अंदेशा, प्रशासन मौन

पाटन, (निसं)। पाटन तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत डाबला के बाजार, जो कि क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक केंद्र है, इन दिनों जर्जर सड़कों के कारण भारी परेशानी का केंद्र बन चुका है। पूर्व सरपंच अमरनाथ गोयल की दुकान से लेकर डाबला-पाटन तिराहे तक लगभग एक किलोमीटर लंबा मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। इस मार्ग पर दो-दो फीट तक कीचड़, दलदल और गहरे गड्ढे बन चुके हैं, जिससे प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन संकट में पड़ गया है। स्कूली बच्चों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के लिए यह रास्ता मानों एक दुर्घटना का न्यौता बन चुका है।

स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों का कहना है कि डाबला बाजार न केवल 10-15 ग्राम पंचायतों का केंद्र है, बल्कि यह पाटन, कोटपूतली, नीमकाथाना, खेतड़ी, सिंघाना और नारनौल जैसे प्रमुख कस्बों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग भी है। इसके बावजूद इस सड़क की दशा पर प्रशासन और लोक निर्माण विभाग ने अब तक कोई ध्यान नहीं दिया है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों को सूचित किया जा चुका है, परंतु सिर्फ आश्वासन ही मिले, कार्यवाही नहीं हुई। इससे जनता में गहरा रोष व्याप्त है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए युवा नेता नरेंद्र सैनी के नेतृत्व में जर्जर सड़क को लेकर जिला कलेक्टर के मार्फत डिप्टी सीएम दिया कुमारी को ज्ञापन दिया तथा बदहाल सड़कों को शिघ्र दुरुस्त करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में किशोर, सुरेश राजू, ताराचंद, सतपाल, रोबेश, रोताश, प्रशांत सहित डाबला व्यापार मंडल के व्यापारी मौजूद रहे। वहीं व्यापारियों ने चेतावनी दी है यदि शीघ्र ही इस मार्ग का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य प्रारंभ नहीं किया गया तो वे मजबूर होकर बाजार बंद, सड़क जाम एवं अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करेंगे। स्थानीय व्यापारी संगठनों और समाजसेवियों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि डाबला बाजार की सड़क को शीघ्र अति शीघ्र ठीक करवाया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना ना हो।

जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया।

- लगभग एक किलोमीटर लंबा मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है, इस मार्ग पर दो-दो फीट तक कीचड़, दलदल और गहरे गड्ढे बन चुके हैं
- व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मार्ग का मरम्मत कार्य प्रारंभ नहीं किया बाजार बंद, सड़क जाम एवं प्रदर्शन करेंगे

मुख्यमंत्री आवास योजना में पार्टनरशिप दिलाने के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री आवास योजना में पार्टनरशिप दिलाने के नाम पर करीब तीन करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला भीलवाड़ा के नामचीन बिल्डर और होटल व्यवसायी निजाम मंसूरी के खिलाफ प्रताप नगर थाने में दर्ज हुआ है।

पीड़ित नासिर मोहम्मद ने बताया कि उसके साथ हुई धोखाधड़ी को लेकर जब उसने निजाम मंसूरी से पैसे को लेकर तकाजा किया तो उसने लॉरेंस विश्नोई जैसे गैंगस्टरों से मरवाने की धमकी तक दे डाली। यहां तक कि उसे और उसके बेटे को जान से मारने की धमकियां भी दी गई और तो और एक खाते में 3 लाख रुपए जमा कराने को कहा गया। इससे परेशान होकर पीड़ित नासिर मोहम्मद ने कोर्ट के जरिए निजाम मंसूरी, उसकी पत्नी सलमा बानू, बेबी बानू व मोहम्मद शकील निवासी शास्त्रीनगर और जाकिर मोहम्मद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। साथ ही अपने परिवार के लिए सुरक्षा की गुहार भी लगाई है क्योंकि आरोपी पक्ष की राजनीतिक और प्रभावशाली लोगों से पहचान है। प्रताप नगर थाना प्रभारी सुरजीत ठोलिया ने बताया कि निजाम मंसूरी के खिलाफ कोर्ट के माध्यम से दर्ज हुए मुकदमे को लेकर हमने जांच अधिकारी को जांच सौंप दी है। वह आगे की जांच करके रिपोर्ट पेश करेंगे। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा। हालांकि सूत्रों से पता चला है कि उक्त मामले में निजाम मंसूरी ने फर्जी स्टांप के जरिए परिवादी की राजसमंद-नाथद्वारा हाइवे पर स्थित करोड़ों रुपए की जमीन भी अपने नाम करने का प्रयास किया था। सूत्रों से यह भी पता चला है कि बिल्डर निजाम मंसूरी इसी तरह फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भूमाफिया बना बैठा है। भीलवाड़ा के 200 फीट रोड पर मंसूरी की दो होटल है जिन्हें लेकर भी स्थानीय लोग कई बार प्रशासन को अपनी शिकायतें दर्ज करा चुके हैं लेकिन अपने रसूखों का फायदा उठाकर मंसूरी समाज सेवा के नाम पर अपने काले कारनामों को अंजाम देता है।

बॉर्डर के पास पकड़े युवक ने खुलासे किये

जैसलमेर, (निसं.)। जैसलमेर में बॉर्डर के पास पकड़े गए युवक ने चौकाने वाले खुलासे किए हैं। युवक अरब देशों में नौकरी के लिए जाना चाहता था। ऐसे में उसने जैसलमेर के रास्ते पाकिस्तान और वहां से अरब देशों में जाने का रास्ता चुना। वह बॉर्डर क्रॉस करता उससे पहले ही उसे पकड़ लिया। पूछताछ में ये भी सामने आया है कि उसका एक भाई भी सऊदी अरब में काम करता है। सुरक्षा एजेंसियों ने जानकारी पुख्ता करने के लिए पश्चिम बंगाल में युवक लालचंद शेख के परिजनों से भी संपर्क किया है। एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, लालचंद शेख ने बताया है कि उसने विदेश जाने के लिए वीजा अप्लाई किया था, लेकिन उसे वीजा नहीं मिला। इसके बाद उसने जैसलमेर के रास्ते पाकिस्तान और फिर अरब देशों में जाने का प्लान बनाया। पूछताछ में सामने आया कि उसका एक भाई सऊदी अरब में काम करता है। ऐसे में उसने 10 दिन पहले पश्चिम बंगाल में स्थित अपना घर छोड़ दिया था। वहां से लालचंद पहले अजमेर आया और जैसलमेर चला गया।

संक्षिप्त

पंचायत भवन का लोकार्पण

पावटा। स्थानीय ब्लॉक के ठिकरिया गांव में बने पंचायत भवन का लोकार्पण विधायक कुलदीप धनकड ने शनिवार को फीता काटकर किया। विधायक कुलदीप धनकड ने कहा कि गांव के विकास से ही देश का विकास तय होता है। डबल इंजन सरकार में विभिन्न जनकल्याणकारी योजना से सभी वर्ग का विकास हो रहा है। इस अवसर पर विधायक धनकड ने ग्रामीणों को अपने संबोधन में कहा कि गांव के सर्वांगिण विकास के लिए वे कोई कसर नहीं छोडेंगे। सरकार ने गांवों में भी शहर जैसी सुविधाएं दी है। इसी के चलते आज गांव में ही शिक्षा, चिकित्सा सडकों की सुविधाएं मिलने लगी है। ग्राम पंचायत के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में ग्रामीणों ने आए हुए अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान ठिकरिया ग्राम प्रशासक नारंगी देवी एवं प्रधान प्रतिनिधि टिंकू सैनी, कृषि मंडी पूर्व चेयरमैन सुरेश गठाला, पंचायत समिति सदस्य लालचंद यादव, सरपंच प्रतिनिधि सुखलाल रैगर, पूर्व सरपंच मदन यादव आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधायक वर्मा का पीपलू क्षेत्र दौरा

टोंक। निवाई विधायक रामसहाय वर्मा ने नाथडी से पीपलू क्षेत्र में जेसीबी में पीपलू के बगडी रोड स्थित मासी नदी रपट का लिया जायजा तथा मौके पर ही अधिकारियों को सुरक्षा बरतने के निर्देश दिये। वही बारिश से खराब हुई फसल और अतिवृष्टि के मुआवजे को लेकर सर्वे करवाने के दिए निर्देश, पीपलू अस्पताल परिसर में जलभराव का भी विधायक ने जायजा लिया। इस मौके पर वर्मा ने ग्रामीणो को अतिवृष्टि से खराब हुई फसलों को लेकर मुआवजा का आश्वासन दिया तथा अतिवृष्टि से हुए नुकसान का किसानों को सर्वे करवा कर दिया उचित मुआवजा देने एवं आमजन से अपील की कि वह नदी, तालाब, नाडियों में भरे हुए पानी से दूर रहे।

सुरेश बुन्देल जिलाध्यक्ष बने

टोंक। शनिवार को देश के सबसे बडे साहित्यिक मंच अखिल भारतीय साहित्य परिषद की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान पर्यवेक्षक डॉ. नरेश कुमार वर्मा ने बताया कि जयपुर प्रान्त के अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश भार्गव के निर्देशानुसार गीता मन्दिर समिति कार्यालय में अखिल भारतीय साहित्य परिषद की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्व सम्मति से जिला कार्यकारिणी गठित कर सुरेश बुन्देल को जिलाध्यक्ष और हनुमान बादाम को जिला महामंत्री मनोनीत किया गया। वही जिला संरक्षक आर. एल. दीपक व पारस चन्द जैन को जिला उपाध्यक्ष, किशन लाल जाट व केदार शर्मा तथा जिला संयुक्त मन्त्री दयाशंकर शर्मा को मनोनीत किया गया है। इस अवसर पर परिषद के सदस्यगण इत्यादि मौजूद रहे।

दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। निवाई वृताधिकारी मृत्युंजय मिश्रा के सुपरविजन में थाना अधिकारी हीरालाल द्वारा गठित टीम ने सोशल मीडिया फेसबुक अकाउंट पर अशोभनीय पोस्ट डालकर सामाजिक सौहार्द को बिगाडड़ो के मामले में आरोपी रामस्वरूप गुर्जर पुत्र कजोडमल गुर्जर एवं राजेंद्र गुर्जर पुत्र गोपाल गुर्जर निवासी जोधपुरिया को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने अशोक लांगडी के सोशल मीडिया फेसबुक अकाउंट पर अशोभनीय पोस्ट डालकर सामाजिक स्वार्थ बिगड़ने का मामला सामने आने पर सदर थाना पुलिस निवाई ने दोनो को गिरफ्तार किया है।

शिक्षक दिवस मनाया

दूदू । निकटवर्ती पारसोली स्थित बिफ एण्ड ब्राइट इंजीनियरिंग कॉलेज एवं बॉम्बे वर्ल्ड स्कूल के सभागार में शिक्षक दिवस मनाया जाकर शिक्षकों को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर संस्था निदेशक डॉ राकेश भारद्वाज डॉक्टर संजीव महर्षि डॉक्टर निम्मी महर्षि द्वारा डॉक्टर राधाकृष्णन के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला । पश्चात शिक्षकों को श्रीफल एवं कलम देकर सम्मानित किया गया।

नम्बर मिलाइए
9587884433
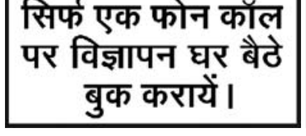
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भजन लाल सरकार ग्राम स्वराज के लक्ष्य के साथ कर रही कार्य : पटेल

- विधायक हंसराज पटेल रहे ग्राम पंचायत बुचारा के दौरे पर
- विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास

कोटपूतली। विधायक हंसराज पटेल शनिवार को क्षेत्र की ग्राम पंचायत बुचारा के दौरे पर रहे। पटेल ने बुचारा में नवनिर्मित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, राजकीय पशु उप स्वास्थ्य केन्द्र सहित 33\11 केवी के विधुत सब ग्रिड स्टेशन का शुभारम्भ किया। वहीं विधायक कोष द्वारा क्रमशः हनुमान बलाई के मकान से पानी की टंकी की ओर 15 लाख रूपयों की लागत से, बजरंग सिंह के मकान से एससी श्मशान की ओर 10 लाख रूपयों की लागत से व सीकर सीमा की ओर 10 लाख रूपयों की लागत से नवनिर्मित इन्टरलॉकिंग सड़क का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर बुचारा स्थित भोमियां बाबा मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पटेल ने कहा कि भजन लाल सरकार ग्राम स्वराज के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा, बिजली, पेयजल व सड़क जैसी मुलभूत सुविधायें हो, ताकि ग्रामीण पलायन पर मजबुर ना हो एवं शहर की जनता के साथ कदमताल कर सकें। पटेल ने कहा कि आदर्श ग्राम योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत को सभी प्रकार की मुलभूत सुविधाओं से जोड़ा जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि शहर के वार्डो से लेकर गांव की ढ़ाणियों तक विकास में एकरूपता रहेगी, जिसका लाभ सभी को मिलेगा। ग्रामीणों ने विधायक पटेल का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान सरपंच विमला देवी गुर्जर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कैलाश स्वामी, मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह समेत बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

कोटपूतली की ग्राम पंचायत बुचारा में विधायक हंसराज पटेल ने पौधा रोपण किया।

खेल मैदान अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग

पावटा। शनिवार को प्रतिनिधिमंडल ने पंचायत समिति सदस्या मीरा मीणा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल को ज्ञापन सौंप ग्राम बुचारा में विद्यालयों के खेल मैदान को अतिक्रमण मुक्त करवाने व उनका सीमांकन करवाने, अवैध ब्लास्टिगं रूकवाने और बांध में जाने वाले पानी को नही रोकने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल व पंचायत समिती सदस्या मीरा मीणा सहित ग्रामीणों ने बताया कि बांध में पानी की आवक को बद्री यादव द्वारा पाल लगाकर अवरुद्ध कर दिया गया है।

जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है। इस पानी को बांध में जाने दिया जाए जिससे जलस्तर बढ सके। गोचर भूमि में सचिन अग्रवाल द्वारा अवैध खनन किया जा रहा है । अवैध खनन को रुकवाकर राजस्व हानि से सरकार को बचाया जाए। सरकारी अस्पताल बुचारा के 100 फीट एरिया के पास माइंस चालू है ।

प्रभारी सचिव ने अस्पताल, आंगनबाडी केंद्र के क्षतिग्रस्त भवनों की जानकारी ली

- जिला सचिवालय खैरथल पर अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

खैरथल। जिला प्रभारी सचिव एवं आयुक्त, मेडिकल शिक्षा इकबाल खान ने शनिवार को खैरथल-तिजारा जिले का दौरा कर जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के दौरान उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति, गिरदावरी, फसल नुकसान सर्वेक्षण, बीमा दावे एवं मुआवजा वितरण प्रक्रिया की समीक्षा की और प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

खैरथल जिला सचिवालय में समीक्षा बैठक लेते प्रभारी सचिव ने राजकीय क्षतिग्रस्त भवनों की जानकारी ली और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। और भिवाडी क्षेत्र में जलभराव की समस्या पर चिंता जताते हुए संबंधित विभागों को स्थाई समाधान की दिशा में त्वरित कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने पशुपालन विभाग की सेवा 1962 हेल्पलाइन के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया ताकि हर पशुपालक इस योजना का लाभ उठा सके। प्रभारी सचिव ने पंचगौरव योजनाओं-जैसे प्याज, शीशम, कुश्ती, तिजारा जैन मंदिर और ऑटोमोबाइल कॉम्पोनेंट हब को बढ़ावा देने हेतु बनाए गए प्लान की भी समीक्षा की और ठोस कार्रवाई करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सितंबर माह में आयोजित होने वाले 'गाँव चलो अभियान', 'शहर चलो अभियान' और सहकारिता सदस्यता अभियान की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कैंप समय से पहले क्षेत्रवार आयोजित कर आवश्यक तैयारियाँ पूरी की जाएँ, ताकि लाभार्थियों को मौके पर ही वास्तविक लाभ मिल सके। प्रभारी सचिव ने अधिक वर्षा से हुए जलभराव को गंभीर चुनौती मानते हुए चिकित्सा विभाग को डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम हेतु विशेष सतर्कता बरतने और जनजागरूकत बढाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी प्रभावित परिवार राहत एवं सहायता से वंचित न रहे और सभी विभाग मिलकर राहत कार्यों को प्राथमिकता से अंजाम दें। बैठक में पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र, उपखंड अधिकारी मनीष कुमार जाटव सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। जिला प्रभारी सचिव एवं आयुक्त इकबाल खान ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, एसडीएम मनीष जाटव व टीम के साथ जिले के आंगनबाडी केन्द्र बास कृपाल नगर व राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय किशनगढ़बास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवनों की स्थिति का जायजा लिया। दोनों भवन अत्यधिक जर्जर अवस्था में हैं, जिससे बच्चों व कार्मिकों की सुरक्षा को खतरा है। प्रधानाचार्य ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा दृष्टि के अनुरूप बच्चों को दूसरे स्कूल में शिफ्ट कराया गया है। इस पर उन्होंने अधिकारियों को दोनों केन्द्रों को कंडम घोषित कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

शिक्षाविदों का सम्मान

टोंक। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा टोंक के राजयोग भवन में शनिवार को शिक्षाविदों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, साथ ही शिक्षक ज्ञान संस्कार एवं प्रेरणा के स्रोत विषय पर संगोष्ठी रखी गई। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) भंवरलाल कुम्हार ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा शिक्षकों को मानवीय मूल्य से जोड़ने के लिए किया जा रहा प्रयास सराहनीय कदम है। यह संस्थान निरंतर शिक्षा में नैतिक मूल्यों को समावेश करने के लिए प्रयासरत है। वास्तव में वर्तमान समय हर शिक्षक और विद्यार्थी को नैतिक मूल्यों को जीवन में चरितार्थ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा नैतिक मूल्यों से ही सुसभ्य एवं राष्ट्र चरित्र निर्माण करने वाले नागरिकों का निर्माण होता है।

सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा ने कहा कि सभ्य मनुष्य ही एक विकसित समाज की सबसे सशक्त कड़ी होता है, लेकिन वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में मनुष्य को सभ्य और सुसंस्कृत बनाने वाली मूल्य और आध्यात्मिक शिक्षा का मूल पाठ ही लुप्त हो गया है।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गोपाल लाल मीणा ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से हमारे मन मस्तिष्क की हलचल को समाप्त कर एकाग्र किया जा सकता है।

कोटपूतली क्षेत्र में फसल खराबे का निरीक्षण, सरकारी भवनों की स्थिति भी जानी

- प्रभारी सचिव ने ग्राम भाबरू के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं पटवार हल्का, आंगनबाडी केन्द्र एवं फील्ड में जाकर फसलों की स्थिति का निरीक्षण किया।
- किसानों से सरकारी सुविधाओं की जानकारी भी ली

कोटपूतली। आयुक्त विभागीय जांच, राजस्थान एवं जिला प्रभारी सचिव अनिल कुमार अग्रवाल ने शनिवार को विराटनगर क्षेत्र का दौरा कर मानसून एवं अतिवृष्टि के संबंध में व्यवस्थाओं का जायजा लिया । प्रभारी सचिव ने ग्राम भाबरू के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं पटवार हल्का, आंगनबाडी केन्द्र एवं फील्ड में जाकर फसलों की स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण कर भवन की स्थिति और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और विद्यालय में छात्र-छात्राओं के अच्छे नामांकन व बेहतर परीक्षा परिणाम की सराहना की। साथ ही विद्यालय भवन व पीने के पानी की टंकी की नियमित साफ-सफाई हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने मानसून के मद्देनजर बच्चों की सुरक्षा हेतु आवश्यक उपाय एवं तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र के शिक्षण संस्थानों के भवनों का समय-समय पर निरीक्षण करें और आवश्यकता वाले स्थानों की मरम्मत कराएं जरूरत पड़े तो शिफ्टिंग करें, इस कार्य किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरते।

उन्होंने फील्ड में जाकर अतिवृष्टि के कारण फसलों पर पड़े प्रभावों का जायजा लिया और किसानों से संवाद कर प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं और सहायता पर फीडबैक लेकर आवश्यक निर्देश प्रदान किए. उन्होंने पटवार हल्का निरीक्षण के दौरान राज खसरा गिरदावरी एप के माध्यम से की जा रही ऑनलाईन गिरदावरी की मौके पर जांच करते हुए अतिवृष्टि के कारण बाजरा फसल खराबे से प्रभावितों को पात्रतानुसार सहायता और संबल प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने समय पर गिरदावरी कार्य करने एवं खराबे का आकंलन करने हेतु निर्देशित करते हुए कहा कि सरकार और प्रशासन हर परिस्थिति में आमजन के साथ खड़ा है। उन्होंने भाबरु सेक्टर के आंगनबाडी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान केन्द्रों पर पौष्टिक पोशाहार, सफाई व्यवस्था, वितरण प्रणाली, दी जा रही सुविधाओं और उपलब्ध उपकरणों की जानकारी ली तथा आंगनबाडी केन्द्र भाबरू-3 व भाबरू-6 पर 03 से 06 वर्ष के बच्चों का नामांकन बढाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों कि मॉनिटरिंग करें बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में प्रभावी प्रयास करें। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी विराटनगर अमिता मान, तहसीलदार लालाराम यादव, शशिकांत शर्मा, प्राचार्य मातादीन मीणा, पटवारी नरेश यादव सहित संबंधित अधिकारी एवं किसान मौजूद रहे।

सहकारिता सदस्यता अभियान की तैयारियों की समीक्षा

दौसा। जिला प्रभारी सचिव भवानी सिंह देथा ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ बेहतर तैयारी कर गांव चलो अभियान, शहर चलो अभियान एवं सहकारिता सदस्यता अभियान के माध्यम से आमजन तक कल्याणकारी योजनाओं एवं आधारभूत सुविधाओं का अधिकाधिक लाभ पहुंचाएं। देथा ने शनिवार को जिला कलक्ट्रेट में जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार एवं अन्य अधिकारियों के साथ इन अभियानों की तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव भवानी सिंह देथा ने कहा कि राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल के रूप में आगामी 18 सितम्बर से गांव चलो अभियान, 15 सितम्बर से शहर चलो अभियान एवं 2 अक्टूबर से सहकारिता सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्पष्ट मंशा है कि इन अभियानों के माध्यम से आमजन को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले। उनके जरूरी कार्य ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ही हो जाएं और आधारभूत सुविधाओं का उन्हें समुचित लाभ मिले। हमें इसी सोच के साथ इन अभियानों के दौरान कार्य कर आमजन को राहत पहुंचानी है।

अतिवृष्टि प्रभावितों तक त्वरित राहत पहुंचाए : अर्चना सिंह

टोंक जिले की प्रभारी सचिव अर्चना सिंह ने जिले में अतिवृष्टि से हुए हालातों की समीक्षा करते हुए प्रभावितों को हर संभव सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए ।

- फसल खराबे का जल्द आंकलन करने के निर्देश

टोंक। जिले की प्रभारी सचिव अर्चना सिंह ने जिले में अतिवृष्टि से हुए हालातों की समीक्षा करते हुए प्रभावितों को हर संभव सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए है, जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि इस संबंध में अधिकारी आमजन से प्राप्त समस्याओं का त्वरित समाधान करें। जिला प्रभारी सचिव ने गिरदावरी फसल नुकसान के सर्वे, पीएम फसल बीमा योजना के दावों, मुआवजा प्रक्रिया की समीक्षा कर इस कार्य में पारदर्शिता एवं तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिवृष्टि के दौरान हुई जन व पशु हानि, लोगों के घरों व सम्पत्ति के हुए नुकसान का आंकलन कर आर्थिक सहायता के प्रस्ताव भिजवाए जाएं, ताकि समय पर उनकी मदद की जा सके। प्रभारी सचिव ने बारिश के बाद मौसमी बीमारियों को लेकर सीएमएचओं शैलेन्द्र सिंह चौधरी को सतर्क रहने के निर्देश दिए। जल भराव वाले क्षेत्रों एंटी लार्वा गतिविधियों को अंजाम दिया जाएं। रेपिड रेस्पोन्स टीम निर्धारित एसओपी के अनुसार कार्य करें। उन्होने पशुओं की बीमारियों को लेकर पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक छोटू लाल बैरवा को प्रो. एक्टिव रहने के निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक शहर चलो अभियान एवं 18 सितम्बर से गांव चलो अभियान चलाया जाएगा। जनोपयोगी कार्य सम्पादित करने के लिए इस अभियान का व्यापक प्रचार सुनिश्चित किया जाएं। साथ ही आमजन को दिए जाने वाले लाभ की पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि 2 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक सहकार सदस्यता अभियान भी संचालित किया जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन को तीनों अभियान सफल बनाने के निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव ने जिले के पंच गौरव की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए प्रभावी कार्य योजना बनाकर इनके विकास को लेकर कार्य करने को कहा। उन्होंने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सुशीला करनानी एवं आईसीडीएस की उप निदेशक सरोज मीना को स्कूलों एवं आंगनबाड़ियों के रिपेयर एवं रेस्टोरेशन के कार्य को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता एचएल मीना को बारिश में क्षतिग्रस्त हुई सडको की टेंडर प्रक्रिया शुरु करने के निर्देश दिए, ताकि बारिश का मौसम खत्म होते हुए तेजी से इस कार्य को पूरा कराया जा सकें। उन्होंने अतिवृष्टि में क्षतिग्रस्त हुए राहोली, जोधपुरिया, इस्लामपुरा के तालाबों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने सभी अधिकारियों को समीक्षा बैठक में दिए निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम रामभरत सौंकरियां, सीईओ परशुराम धानका, उप वन संरक्षक मरिय शाइन ए, एसडीओं हुक्मीचंद रोहलानिया, एसीईओ ललित कुमार समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सार-समाचार

आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरु

पावटा । विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा, जब विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ द्वारा क्षेत्र में लंबे समय से प्रतीक्षित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भव्य उद्घाटन किया गया। विधायक कुलदीप धनखड ने विराटनगर क्षेत्र के विराटनगर में आजाद पार्क, पावटा में नायरा पेट्रोल पंप के पास, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रागपुरा में आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं सोलर पैनल का फीता काटकर एवं शिला पट्टिका से पर्दा हटाकर शुभारंभ किया गया। उद्घाटन अवसर पर विधायक धनखड़ ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के शुरू होने से अब क्षेत्रवासियों को घर-आंगन पर ही बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी और उन्हें दूर दराज नहीं भटकना पड़ेगा। इन केंद्रों पर सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध होंगी। यहां सामान्य बीमारियों का इलाज, दवाएं, टीकाकरण और स्वास्थ्य परामर्श की सेवाएं दी जाएंगी। स्थानीय लोगों को छोटे-छोटे इलाज के लिए बड़े अस्पतालो में नहीं जाना पड़ेगा। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए काम कर रही है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। विधायक धनकड़ ने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विराटनगर के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने विधायक धनखड़ का माल्यार्पण व साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इसी दौरान विधायक ने आमजन के अभाव-अभियोग भी सुने और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला सीएमएचओ आशीष सिंह, पावटा उपखंड अधिकारी कपिल कुमार उपाध्याय, ईओ फतेह सिंह, उपजिला अस्पताल पावटा अधीक्षक डॉ. रवि बंसल, भाजपा उत्तर देहात जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, वरिष्ठ जगदीश यादव, जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुरेश गिठाला, निर्मल पंसारी, पूर्व प्रधान रेखा मीणा, प्रधान प्रतिनिधि टिंकू प्रजापति, चेयरमैन प्रतिनिधि फूलचंद सैनी, भाजपा पावटा मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी, भाजपा प्रागपुरा मंडल अध्यक्ष विकास कैरोडी, जिला कोषाध्यक्ष विमल गर्ग, अठावाल समाज अध्यक्ष बलदेव गोयल, नरपत सिंह, डॉ.रवि अंजली गुप्ता, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष विकास शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष मामराज सोलंकी, भाजपा पूर्व जिला महामंत्री हेमंत निर्मल, पार्षद महेश सैनी, रोमेश मिश्रा, भाजपा मंडल महामंत्री सत्यनारायण सैनी, पूर्व पार्षद बद्री प्रसाद सैनी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वीक्षकों का वेतन रुकेगा

टोंक। राजस्थान लोक सेवा आयोग जिला मुख्यालय पर 7 से 12 सितम्बर तक वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2024 आयोजित कर रहा है। जिला कलेक्टर के आदेशों के तहत राजकीय एवं निजी परीक्षा केन्द्रों पर वीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। जिला शिक्षा अधिकारी ने जिले के राजकीय विद्यालयों के संस्था प्रधानों को निर्देशित किया है कि जिन अध्यापकों द्वारा परीक्षा कार्य में उपस्थिति प्रस्तुत नही दी जाती है, उन अध्यापकों का माह सितम्बर 2025 का वेतन आहरण नही किया जायें।

आम सूचना मेरा अभिभाष्य श्री मदनलाल कोली पुत्र श्री नन्द किशोर, निवासी-89, छीपों का मौहल्ला, गणेश कॉलोनी, साँगानेर, जयपुर की ओर से एवं उनके निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र ओमप्रकाश एवं पुत्रवधू श्रीमती हेमलता उनके कहने-सुनने मे नही है जिस कारण मेरा अभिभाष्य अपने पुत्र व पुत्रवधू को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सूचित करता है कि आज के बाद मेरे अभिभाष्य का पुत्र ओमप्रकाश एवं पुत्रवधू श्रीमती हेमलता से कोई संबंध नही है व इसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिये मेरा अभिभाष्य जिम्मेदार नही होगा। सूचित रहे।
जयपुर (रामचरण जोशी) एडवोकेट
दिनांक-6/9/2025 मो.-9828531232, 9509574072

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या- 132 सूर्य नगर, मुरलीपुरा जयपुर, योजना की मूल सोसायटी द्वारा जारी की गई जमा राशिद कही गुम हो गई है मिलने पर सम्पर्क करें आशा सैनी, फोन नंबर - 9413114522

मेरे भूखण्ड संख्या- 977 रोहिणी नगर-3, रेनवाल जयपुर,योजना का मूल कब्ज़ा पत्र कही गुम हो गया है मिलने पर सम्पर्क करें नरेंद्र कुमार खंडेलवाल, फोन नंबर-9462644298

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/589
चूंकि प्रार्थी श्री रचना भार्गव, आई आई एस कैंपस गुरुकुल मार्ग एस एफ एस मानसरोवर जयपुर 302020 ने राजस्थान सार्वजनिक पून्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास इंडियन कौंसिल फोर इंटरनेशनल अमिटी जयपुर, आई आई एस कैंपस गुरुकुल मार्ग एस एफ एस मानसरोवर जयपुर 302020 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 03-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइन्दा तारीख पेशी 10/11/2025
मोहर अदालत सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/602
चूंकि प्रार्थी श्री रामेश्वर जसवाल, 249 पदमावती कोलोनी-बी, न्यू सांगानेर रोड मानसरोवर जयपुर 302012 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास मारुती शिक्षा समिति, 249 पदमावती कोलोनी-बी, न्यू सांगानेर रोड मानसरोवर जयपुर 302012 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 03-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइन्दा तारीख पेशी 07/11/2025
मोहर अदालत सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

विवाघको के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
आदेश 5 के नियम 1 और 5
न्यायालय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश सांभरलेक जि. जयपुर
लक्ष्मीनारायण वगैरह बनाम सोनाराम वगैरह
वाद पत्र सं.57/17 (13/21)
वाद विक्रय पत्र निरस्त किये जाने व स्थायी निषे.
बनामः-1-रघुनाथसिंह पुत्र शिवसिंह जाति राजूपत निवासी बगरू खुर्द पो0 ठिकरिया तहसील बगरू जिला जयपुर राज0
उपरोक्त आपके विरूद्ध उपरोक्त के वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय मे तारीख 15/9/25 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है आप न्यायालय मे स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नो का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करे और दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति मे हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप मे निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजो को उल्लेखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करे।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय मे उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति मे किया जायेगा।
यह वाद ता0 6/9/25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा से लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश आज्ञा से-प्रस्तुतकार
मोहर अदालत वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सांभर लेक जिला जयपुर

नाम परिवर्तन

मैं अंजना मीना पुत्री प्रहलाद मीना ने मेरी पुत्री अंजली मीना का नाम बदलकर आरवी मीना रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी रेलवे फाटक के पास चांदा मीना की ढाणी, दौसा।

मै श्रीमती मंजू कंवर शेखावत पत्नी श्री प्रतापसिंह शेखावत निवासी -166 सुन्दरविहार, तकिया की चोकी, कालवाड़ रोड जयपुर-302012 यह कि मेने मेरे पुत्र का नाम आयुष शेखावत (Ayush Shekhawat) से बदलकर आयुष सिंह शेखावत (Ayush Singh Shekhawat) रख लिया है। भविष्य में मुझे आयुष सिंह शेखावत के नाम से जाना जाये।

मैने अपना नाम जीतेन्द्र कुमार कूलवाल से बदलकर जीतेन्द्र कूलवाल पुत्र नंदमोहन रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पता-प्लॉट नं.- 08, फ्लैट नं.- 103, मनभवन रेजिडेंसी, एयरपोर्ट 2 टर्मिनल के सामने, सांगानेर, जयपुर।

I have changed my name Vnsh Kachhwal / Vansh Kachwal to Vansh Kachhwal for all future and legal purpose. Address 528, Mahaveer Nagar, Jaipur, 302018

I Veenu Uboveja W/o Rajkumar Uboveja R/o House No. G- Block, Sriganganagar, Ganganagar, Rajasthan - 335001, have changed my name to Veena Arora

I uma shree agrahari spouse of service no 691622 Ex sergeant surya praksh agrahari resident of D-182-183 flat no 201 Ridhi Raj Enclave Ram Marg Hanuman nagar D Block vaishali nagar jaipur rajasthan pin 302021 have changed my name from UMA SHREE AGRAHARI To UMASHRI AGRAHARI vide affidavit dated 5 sept 2025 at jaipur

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को राजधानी जयपुर में अमर जवान ज्योति से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की 160 नई ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने 160 नई ब्लूलाइन बसों को हरी झंडी दिखाई

उन्होंने कहा कि यातायात को नियंत्रित करने व यात्रियों को बेहतर सुविधा देने में यह खेप उपयोगी साबित होगी

जयपुर, 6 सितम्बर। राजस्थान में यातायात व्यवस्था को सशक्त और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को राजधानी जयपुर स्थित अमर जवान ज्योति से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (आरएसआरटीसी) की 160 नई ब्लू लाइन एक्सप्रेस बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही जयपुर से उत्तराखंड के काठगोदाम (कैंचीधाम) के लिए सुपर लग्ज़री बस सेवा की भी शुरुआत की गई।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा नीम करौली धाम (कैंचीधाम) जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए जयपुर से काठगोदाम सुपर लग्ज़री बस सेवा शुरू की गयी है।**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, हमारी सरकार का संकल्प है कि राज्य के हर नागरिक तक सुरक्षित, सुलभ और आधुनिक परिवहन सुविधा पहुंचे। यह केवल बसों का संचालन नहीं, बल्कि विकास और विश्वास की ओर बढ़ाया गया एक और मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि यातायात के बढ़ते दबाव को नियंत्रित करने और यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए आधुनिक बसों की यह नई खेप उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता की सुविधा को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रही है, और उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जयपुर से काठगोदाम तक शुरू की गई सुपर लग्ज़री बस सेवा बाबा नीम करौली धाम (कैंचीधाम) जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी सौगात है। इससे न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, बल्कि राज्य में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने बसों का विधिवत् पूजन कर उनका अवलोकन किया और इनमें दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में राजस्थान देश में एक मिसाल बने, इसके लिए सरकार पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक गोपाल शर्मा, आरएसआरटीसी की अध्यक्ष शुभ्रा सिंह, परिवहन विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी, निगम के प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा सहित परिवहन विभाग और निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

युवा कांग्रेस ने पंजाब व जम्मू-कश्मीर राहत सामग्री भेजी

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने बाढ़ से जूझ रहे पंजाब और जम्मू-कश्मीर के पीड़ितों के लिए शनिवार को यहां से आवश्यक राहत सामग्री की पहली खेप रवाना की।

युवा कांग्रेस के प्रवक्ता वरुण पांडे के अनुसार, आपदा पीड़ितों की मदद के लिए संगठन ने जो राहत सामग्री भेजी है, उसमें दो ट्रकों में आलू, प्याज, चीनी, तेल, मसाले, पानी की बोतलें, दवाइयां आदि दैनिक ज़रूरत की राहत सामग्री शामिल है। संगठन ने बाढ़ प्रभावितों के लिए यह खेप यहां स्थित अपने मुख्यालय से भेजी है।

■ **पहली खेप में दो ट्रकों में आलू, प्याज-चीनी, तेल, मसाले, पानी की बोतलें व दवाईयां भेजी गयी हैं।**

इस मौके पर युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और पंजाब के बाढ़ प्रभावितों के लिए अपने नेता राहुल गांधी से प्रेरणा लेते हुए उनके संगठन ने यह सामग्री भेजी है। उनका कहना था कि मुसीबत की घड़ी में इंसानियत ही सबसे बड़ी ताक़त है, इसलिए उन्होंने ज़रूरतमंदों तक राशन, भोजन, दवाइयाँ और पीने का पानी पहुँचाने का प्रयास किया है।

बोराज गांव की अंबानाड़ी की दीवार टूटी, स्वास्तिक नगर फिर जलमग्न

अजमेर में बारिश का कहर जारी है, जिले में कई तालाबों की पाल टूट गई

अजमेर, 6 सितम्बर (कासं)। जिले में भारी बारिश से अजमेर और आसपास के क्षेत्रों में कई तालाबों की पाल टूटने से समीपवर्ती क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। जहाँ आनासागर और वरुण सागर में चादर चल रही है, वहीं नसीराबाद उपखंड का बीर तालाब 50 साल बाद छलकने को तैयार है। बोराज गांव की अंबा नाड़ी की दीवार टूटने से एक बार फिर स्वास्तिक नगर में पानी भर गया।

■ **स्वास्तिक नगर में अंबा की नाड़ी की दीवार टूटने से आई बाढ़ को स्थानीय लोगों ने प्रशासन की लापरवाही बताया और कहा कि पाल की दीवार से पानी रिस रहा था जिसकी कई बार शिकायत की गई थी पर प्रशासन ने इस पर ध्यान नहीं दिया।**

■ **नसीराबाद उपखंड का बीर का तालाब 50 साल बाद लबालब भरा है।**

अजमेर शहर सहित, जिले भर में शनिवार को लगातार हो रही बरसात ने शहर की निचली बस्तियों में पानी-पानी कर दिया है तथा प्रशासन बेबस नज़र आ रहा है। तेज बारिश से शनिवार को बोराज की अंबा नाड़ी ओवरफ्लो होने से उसकी पाल टूट गई तथा पानी तेज बहाव से स्वास्तिक नगर में घुस गया।

स्थानीय नागरिक सुनील ने बताया कि यह प्रशासन की विफलता है। तीन साल से बोराज गांव की पाल से पानी का रिसाव हो रहा था, कई बार प्रशासन को अवगत भी करवाया गया, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली। यदि समय रहते पाल की मरम्मत कर दी जाती तो आज जो हालात बने हैं, वो नहीं बनते। स्वास्तिक नगर में 80 से अधिक मकानों के भीतर दो-तीन फुट पानी भरा हुआ है, वहीं, चार मकान ढह गए। क्षेत्र में बिजली पानी 36 घंटे से ठप है। स्वास्तिक नगर, आम का तालाब बजरंगगढ़ तथा महावीर सर्किल का पूरा कॉरिडोर पहले ही संवेदनशील घोषित है। 2020, 2022 और अब 2025 में, हर मानसून में यहां पानी भरता है। लगातार हो रही वर्षा से जिले के तालाब-बांध ओवर फ्लो हो गए हैं तथा आसपास की बस्तियों के डूबने का खतरा बढ़ गया है। बीर तालाब में शनिवार शाम 27.5 फीट पानी रिकॉर्ड किया गया। सन् 1975 के बाद पहली बार तालाब लबालब हुआ है। बरसों से पानी न आने के कारण लोगों ने यहाँ बहाव पथ में पक्के मकान खड़े कर लिए थे। अब खतरे का अंदेशा देखते हुए तहसील प्रशासन ने करीब 40 परिवारों को नोटिस देकर 24 घंटे में मकान खाली करने का निर्देश दिया है।

बोराज गांव की अंबा नाड़ी, रसूलपुरा, वरुण सागर तथा आनासागर चैनल गेट से छोड़ा जा रहा पानी नूरियावास, सराधना और डूमाड़ा के खेतों को डुबो चुका है। नसीराबाद के जाटिया गांव की पाल और भिनाय के कुरतल गांव के तालाब की पाल टूट गई है, जिससे पानी की तेजी से निकासी हो रही है। आसपास के क्षेत्रों के डूबने का खतरा है।

उदयपुर में 19 साल बाद आयड़ नदी उफान पर

क्षेत्र में मूसलाधार बारिश, बाढ़ जैसे हालात बने

वर्ष 2006 के बाद पहली बार आयड़ नदी उफान पर आई।

उदयपुर, 6 सितम्बर (कासं)। उदयपुर शहर में देर रात से हुई मूसलाधार बारिश के बाद थूर की पाल से अथाह पानी आयड़ नदी में आया और करीब 19 साल बाद आयड़ नदी उफान पर आ गई। वर्ष 2006 के बाद शहर में ऐसी स्थिति बनी है। शहर के आलू फैक्ट्री, नवरत्न कॉम्पलेक्स, साइफन, आयड़ व ठोकर चौराहे सहित, निचली बस्तियों में पानी भर गया। शहर की इन बस्तियों में एक मंजिल तक पानी भर गया। शहर के करजाली हाउस में आयड़ नदी से सटी गली में पानी भर गया। रेस्क्यू टीम ने वहां लोगों को घरों से बाहर निकाला, पर कई लोग घरों की छत पर चढ़कर पानी उतरने का इंतजार करते रहे। आयड़ नदी में दोपहर 12 बजे जल प्रवाह बढ़ना शुरु हुआ और 12.45 तक नदी पूरे उफान पर आ गई।

■ **आयड़ नदी में मछली पकड़ते दो युवक फंसे, एक को सुरक्षित निकाला, पर दूसरा युवक बह गया।**

■ **उदयपुर में यलो अलर्ट है, लगातार बारिश हो रही है, गोगुंदा में 8 इंच पानी बरसा।**

शहर की थूर की पाल से पानी बेदला नदी होते हुए आयड़ नदी में पहुंचा, जिससे बस्तियों में पानी घुस गया। पुरोहितों की मादड़ी के पास मछली पकड़ रहे दो युवक तेज बहाव में फंस गए। एक युवक आगे बह गया तथा दूसरा युवक वहीं चट्टान पर बैठा रहा, जिसे करीब सात घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

आयड़ नदी के प्रवाह में शहर की पॉश कॉलोनी नवरत्न और सेलिब्रेशन मॉल का बीच की कनेक्टिंग पुलिया से सम्पर्क टूट गया।

आयड़ नदी में आए उफान को देखने के लिए दिनभर शहरवासियों की भीड़ लगी रही। सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार, सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे के बीच उदयपुर शहर में दो इंच से ज्यादा बारिश हुई। वहीं, गोगुन्दा में सर्वाधिक 8 इंच बारिश हुई। इसके अलावा मदार में 118 मिमी, वल्लभनगर में 111, झाड़ोल 44, कोटड़ा 64, ओगणा 78, सई 85, उदयसागर 50, बागोलिया 54, देवास प्रथम पर 27 मिमी बारिश हुई।

शहर के फतहसागर व स्वरुपसागर तालाब पर चादर चल रही है। सीसारमा नदी एक बार फिर 10 फीट तक बह रही है। स्वरूपसागर बांध के चारों गेट एक-एक फीट तक खोल दिए हैं। वहीं मदार नहर से आ रहे पानी के कारण फतहसागर के गेट चार-चार इंच तक खोल दिए गए। उदयसागर भी ओवर फ्लो हो रहा है। इसके भी दोनों गेट पांच-पांच फीट खुले हुए हैं। वहीं, समाचार लिखे जाने तक उदयपुर शहर में येलो अलर्ट के बीच फिर बारिश का दौर शुरू हुआ।

मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ फोन पर वार्ता की

इस वार्ता में रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान के प्रयासों पर विचार साझा किए

नयी दिल्ली, 06 सितम्बर। रूस-यूक्रेन संघर्ष के समाधान को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किये जा रहे प्रयासों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ टेलीफोन पर बातचीत की और कहा कि दोनों देशों के बीच जो रणनीतिक साझेदारी है, उसकी वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका है।

■ **प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति मैक्रों को अगले वर्ष फरवरी में हो रहे ए आई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन का निमंत्रण स्वीकार करने के लिए धन्यवाद दिया।**

मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा और आकलन किया। यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों सहित अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने आर्थिक, रक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की और उसका आकलन किया। उन्होंने फ्रांस के साथ "होराइजन 2047 रोडमैप", हिंद-प्रशांत रोडमैप और रक्षा औद्योगिक रोडमैप के अनुरूप भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने अगले वर्ष फरवरी में भारत में आयोजित किये जाने वाले 'एआई इम्पैक्ट' शिखर सम्मेलन के लिए निमंत्रण स्वीकार करने पर राष्ट्रपति मैक्रों को धन्यवाद दिया और भारत में उनका स्वागत करने के लिए उत्सुकता व्यक्त की।

उत्तरकाशी में फिर बादल फटे

देहरादून, 06 सितंबर। उत्तराखंड में अब तक सर्वाधिक आपदाग्रस्त जनपद उत्तरकाशी में शनिवार को अब एक नए इलाके में बादल फटने से व्यापक नुकसान हुआ है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, नौगांव क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण नौगांव खड्ड, देवलसारी खड्ड एवं मुराडी खड्ड का जलस्तर बढ़ने से कई स्थानों पर मलबा व पानी घरों में घुस गया। समाचार लिखने तक किसी जन अथवा पशु हानि की सूचना नहीं मिली। लगातार हो रही बरसात के कारण रेस्क्यू टीमों से भी संपर्क नहीं हो पा रहा है।

■ **अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं मिली है पर पता चला है कि कई घरों में पानी और मलबा घुस गया है।**

देश का पहला ए.आई.-समर्थित द्विभाषी लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म हुआ लॉन्च

नोएडा 06 सितंबर। उत्तर प्रदेश के जिला गौतमबुद्धनगर परिक्षेत्र नोएडा से शुरू हुई शिक्षा में नई क्रांति कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) आधारित द्विभाषी लर्निंग का प्लेटफार्म किया गया लॉन्च।

निजी शिक्षण संस्थान द्वारा शनिवार को आयोजित किए गए कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र की नई क्रांति के आगाज में उत्तर प्रदेश राज्य लोक निर्माण विभाग व गौतमबुद्धनगर जिला प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह भी शामिल हुए।

शिक्षा क्षेत्र में लाई गई एआई आधारित इस नई क्रांति से भारत के ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा कराना संकल्प है। इस प्लेटफ़ॉर्म से कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाली, सुलभ और किफायती शिक्षा उपलब्ध कराने का उच्च माध्यम प्राप्त होगा। साथ ही यह युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में मददगार साबित होगा जिसमें अपस्किलिंग प्रोग्राम्स भी प्रदान किए जाएंगे। एआई-इनेबल्ड पर्सनलाइज्ड लर्निंग टूल्स, द्विभाषी कंटेंट, लाइव इंटरैक्टिव सेशन्स, संरचित नोट्स और स्किल डेवलपमेंट मॉड्यूल्स से एक व्यापक और समावेशी लर्निंग इकोसिस्टम के अंतर्गत छात्रों को भविष्य की तैयारियों में बेहतर सहयोगी साबित होगी।

वोट अधिकार यात्रा से उत्साहित कांग्रेस ने बिहार में 100 सीट मांगीं

महागठबंधन के घटक दलों को आशा है कि सीटों का बंटवारा शीघ्र हो जायेगा

पटना, 06 सितंबर। बिहार में महागठबंधन ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे पर विचार-विमर्श तेज़ कर दी है और उम्मीद जताई है कि सीट बंटवारे को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

■ **बिहार में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के निवास पर घटक दलों के नेताओं की बैठक में गहन विचार-विमर्श हुआ।**

इस संबंध में महागठबंधन के घटक दलों के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आज विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के आवास पर हुई। बैठक के बाद विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी ने 15 सितंबर तक स्थिति साफ होने की उम्मीद जताई। वहीँ, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने संवाददाताओं को बताया कि चर्चा पूरी तरह पारदर्शी रही है और बहुत जल्द सीट बंटवारे के मुद्दे को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

सोलह दिनों तक चली वोटर अधिकार यात्रा के समापन के बाद महागठबंधन की यह पहली उच्च स्तरीय चर्चा थी, जिसमें बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी सहित अन्य लोग शामिल हुए।

राजेश राम ने ज़ोर देकर कहा कि सभी 243 सीटों पर चर्चा चल रही है। चूँकि नए सहयोगियों को शामिल किया जा रहा है, इसलिए हर पार्टी को त्याग के लिए तैयार रहना चाहिए।

बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है, और सीटों की संख्या पर फैसला उचित समय पर लिया जाएगा।

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी, जिन्होंने अपनी पार्टी के लिए 60 सीटों पर दावा किया है, ने कहा कि चर्चा "खुशी के माहौल" में हुई और उम्मीद है कि 15 सितंबर से पहले सीट बंटवारे कि स्थिति साफ हो जाएगी।

दूसरी तरफ वाम दल भी ज़्यादा हिस्सेदारी की माँग कर रहे हैं, जबकि भाकपा के राज्य सचिव राम नरेश पांडे ने याद दिलाया कि 2020 के चुनावों में उनकी पार्टी को "सम्मानजनक प्रतिनिधित्व" नहीं दिया गया था और इस बार उन्होंने बेहतर सीट साझेदारी की माँग की।

यू.एन. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे, जहाँ उन्होंने वॉशिंगटन स्थित वाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी। ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाए हैं, जिनमें रूस से तेल खरीदने के लिए दिल्ली पर 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है।

यू एन जी ए के वक्ताओं की सूची अस्थायी होती है और उच्च स्तरीय सप्ताह की शुरुआत से पहले कार्यक्रमों और वक्ताओं में बदलाव की संभावना हमेशा बनी रहती है।

इस सूची को आवश्यकतानुसार अपडेट किया जाता रहेगा। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में यह सत्र वर्ष का "सबसे व्यस्त कूटनीतिक समय" माना जाता है और यह उच्च स्तरीय सत्र हर साल सितंबर में शुरू होता है। इस वर्ष का सत्र इज़राइल-हमास युद्ध और यूक्रेन संघर्ष के बीच हो रहा है। 80वें सत्र की थीम है: बेहतर साथ: शांति, विकास और मानवाधिकारों के लिए 80 वर्ष और आगे।

तकनीकी खराबी से इंडिगो का विमान वापस लौटा

कोच्चि/नयी दिल्ली, 06 सितंबर। इंडिगो का कोच्चि से अबू धाबी जा रहा विमान शनिवार को तकनीकी खराबी के कारण वापस कोच्चि लौट आया।

इंडिगो ने एक बयान में बताया कि उड़ान संख्या 6ई 1403 ने छह सितंबर को कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अबू धाबी के लिए उड़ान भरी थी। रास्ते में तकनीकी खराबी का पता चलने के बाद पायलट ने सतर्कता बरतते हुये विमान को वापस कोच्चि की तरफ मोड़ दिया।

■ **यह विमान कोच्चि से अबू धाबी जा रहा था।**

कोच्चि हवाई अड्डे पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई। विमान को जरूरी जांच के लिए उड़ान भरने से रोक दिया गया है। यात्रियों को दूसरे विमान से अबू धाबी भेजा गया।

इंडिगो के एक प्रवक्ता ने यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताया है और सुरक्षा के प्रति एयरलाइंस की प्रतिबद्धता दर्शायी है।

मोदी ने डिनर कैंसिल किया, अब वर्कशॉप होगी

उत्तर भारत में बाढ़ के कारण उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले दिया जाने वाला डिनर कार्यक्रम रद्द किया गया

नयी दिल्ली, 06 सितंबर। प्रधानमंत्री मोदी अब सांसदों को डिनर नहीं कराएंगे। डिनर का कार्यक्रम रद्द हो गया है। आठ सितंबर को पीएम मोदी सांसदों को डिनर कराने वाले थे। आज बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी सांसदों को डिनर कराने वाले थे। वो भी कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। उत्तर भारत के राज्यों में आई बाढ़ के कारण जेपी नड्डा और पीएम मोदी ने डिनर कार्यक्रम को रद्दकिया है।

■ **रविवार को भाजपा सांसदों की दो दिन की वर्कशॉप आयोजित की गई है। पहले दिन चार सत्र में कार्यक्रम तय किये गये हैं।**

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले बीजेपी के सांसदों की दो दिन की वर्कशॉप होगी। रविवार सुबह ग्यारह बजे से वर्कशॉप शुरू होगी। पीएम नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी इसमें हिस्सा लेंगे। इसमें सबसे पहले जीएसटी 2.0 पर पीएम मोदी का अभिनंदन और आभार व्यक्त किया जाएगा। सांसदों के लिए चार सत्र होंगे। पहला सत्र आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी भारत, ईज ऑफ डूइंग और युवा शक्ति एवं रोज़गार पर होगा। दूसरा सत्र सांसदों द्वारा सोशल मीडिया का प्रभावी प्रयोग पर आयोजित किया गया है।

तीसरा सत्र सांसदों की स्थायी समिति के समूहों का होगा।

इसमें अलग-अलग मंत्रालयों की संसदीय समितियों के अनुसार सांसदों से चर्चा होगी।संसदीय समिति की कार्यवाही का महत्व, संसद सत्र की तैयारी, संसदीय नियमावली का उपयोग, मंत्रालय रिपोर्ट का अध्ययन, अधीनस्थ विधान की जानकारी, सांसद के रूप में व्यवहार और सावधानी, दिशा बैठक में सहभागिता आदि पर चर्चा होगी. चौथे सत्र में सागरीय क्षेत्र, लेफ्ट विंग क्षेत्र, ग्रामीण क्षेत्र, शहरी क्षेत्र और पहाड़ी तथा उत्तर पूर्व क्षेत्र के बारे में चर्चा होगी।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(व्यय) विभाग और पीएनबी के ज़ोनल हेड ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक चंद्र सहित वित्त विभाग व मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

मेरा एकमात्र लक्ष्य भारत के लिए खेलना है और इसके लिए मैं कदम दर कदम बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा हूं। - निशांत सिंधु

भारतीय बल्लेबाज, अपने प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

योगराज सिंह

योगराज सिंह ने धोनी पर हमला बोला तो बोला साथ ही उन्होंने कपिल देव और दिवंगत बिशन सिंह बेदी को भी लपेटे में ले लिया। उन्होंने कहा कि, मैं बिशन सिंह बेदी, कपिल देव और एमएस धोनी की बात करता हूं। मैं उन लोगों के बारे में बात कर सकता हूं जिनके साथ रहा हूं। जो गलत है वो गलत है। मैं इसे खुलकर कहता हूं कि हमारे कप्तानों ने हमारी टीम और हमारे क्रिकेटरों को बर्बाद किया। वहीं अब योगराज ने कहा कि धोनी पर सिर्फ इरफान ने ही सवाल नहीं उठाए हैं। गौतम गंभीर, वीरेंद्र सहवाग और हरभजन सिंह ने भी धोनी की कप्तानी के दिनों में खुद के साथ सलूक पर सवाल उठाए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... अंग्रेजों ने 1889-90 में जीएफ वर्नोन की कप्तानी में एक टीम भारत भेजी थी। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत में रहने वाले अंग्रेजों के खिलाफ खेलना था।

पाक आईसीसी महिला विश्वकप के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगा

लाहौर, 6 सितंबर। पाकिस्तान 30 सितंबर को गुवाहाटी में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगा, क्योंकि टीम का कोई भी सदस्य इस आयोजन के लिए भारत नहीं जाएगा। जियो सुपर की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी टीम 2025 के उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''सह-मेजबान भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी के डॉ. भूपेन हजारिका क्रिकेट स्टेडियम में टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले एक भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें भाग लेने वाली टीमों के कप्तान इस कार्यक्रम में शामिल होंगे और सामान्य तौर पर एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस और प्रतिष्ठित ट्रॉफी के साथ फोटोशूट भी करेंगे।''

हालांकि, जियो सुपर ने बताया कि न तो पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना और न ही पाकिस्तान का कोई अन्य प्रतिनिधि उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए भारत आएगा। चैनल ने कहा कि आगामी आयोजन से पाकिस्तान की संभावित अनुपस्थिति फ्यूजन फॉर्मूला के कारण है, जिसके अनुसार पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से, न तो वे और न ही भारत अगले तीन वर्षों तक किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए एक-दूसरे का दौरा करेंगे। परिणामस्वरूप, ''पाकिस्तान महिला विश्व कप 2025 के अपने सभी मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेलेगा।''

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, ''अगर ग्रीन शर्ट्स 29 अक्टूबर को सेमीफाइनल और 2 नवंबर को फाइनल में पहुंचती है, तो दोनों मैच भी कोलंबो में ही होंगे।'' रिपोर्ट में घोषणा की गई है कि पाकिस्तान अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ अपने निर्धारित स्थल पर करेगा।

बीसीसीआई के चुनाव 28 को मुंबई में होंगे

मुंबई, 6 सितम्बर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी बहुप्रतीक्षित वार्षिक आम बैठक 28 सितंबर को निर्धारित की है। आम सभा की बैठक सुबह 11:30 बजे मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में होगी, जिसका मुख्य एजेंडा चुनाव कराना है। सचिव देवजीत सैकिया द्वारा राज्य संघों को भेजे गए एक पत्र के अनुसार, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव होंगे।

सैकिया का सेक्रेटरी बने रहना तय

सैकिया का सेक्रेटरी बने रहना तय बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया अपनी पोजिशन कायम रखेंगे, क्योंकि वे 3 साल ऑफिस में काम करने के बाद इसी साल सेक्रेटरी बने थे। उन्होंने जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने के बाद बीसीसीआई सेक्रेटरी का पद संभाला था। सेक्रेटरी इलेक्शन के दौरान ट्रेजरर प्रभतेज भाटिया (छत्तीसगढ़) और जॉइंट सेक्रेटरी रोहन गौंस देसाई (गोवा) भी चुने गए थे। इस कारण वे भी अपना पद बरकरार रखेंगे। तीनों 3 साल के लिए इस पद पर चुने गए हैं।

महीपाल लोमरोर, कार्तिक शर्मा व यथार्थ भारद्वाज अवार्ड्स से सम्मानित

32वां मथुरादास माथुर अवार्ड

जयपुर, 6 सितम्बर। राजस्थान ब्लूज क्रिकेट क्लब की ओर से हर वर्ष की भांती राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार में मंत्री रहे स्व मथुरादास माथुर की स्मृति में उनकी जयन्ती के अवसर पर होटल हिल्टन में प्रातः 11:30 बजे एक समारोह में 32वीं मथुरा दास माथुर अवार्ड सम्पन्न हुआ। समारोह में राजस्थान के लिए वर्ष 2024-25 में उत्कृर्ष प्रर्दशन करने पर सीनियर वर्ग में महीपाल लोमरोर, जूनियर वर्ग में कार्तीक शर्मा व सब जूनियर वर्ग में यथार्थ भारद्वाज को अवार्ड से सम्मानित किया गया।

अवाडर्स के तहत सीनियर वर्ग में 15000 (पन्द्रह हजार) तथा जुनियर व सब जूनियर वर्ग में क्रमश रूपये 7500/- (साडे सात हजार रुपये नकद) व सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंस, स्मृति चिन्ह, व सम्पूर्ण किट बैग प्रदान किये गये। इससे पहले महिपाल लोमरोर को अवार्ड 2017 में मिला था। इससे पहले यह अवार्ड पंकज सिंह, अनिकेत चौधरी, अशोक मेनारिया को 2 बार मिल चुका है।

अवार्ड समारोह के मुख्य अतिथि मुनेश्वर नाथ भण्डारी (चैयरमैन अपीलेट ट्रिबुनल सफेम, भारत सरकार व पूर्व मुख्य न्यायाधीस, मद्रास उच्च न्यायालय), विशिष्ठ अतिथि टीकाराम जूली (नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान विधान सभा) व विशिष्ठ अतिथि डी डी कुमावत (कन्वीनर, तदर्थ समिति आर सी ए) व क्लब के अध्यक्ष विनोद माथुर के द्वारा अवार्ड प्रदान किये गये। इस अवसर पर सैकडों खिलाडी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह के अन्त में राजस्थान ब्लूज क्रिकेट क्लब की ओर से विनोद माथुर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 2025 का भव्य शुभारंभ

जयपुर, 6 सितंबर। जयपुर शहर में दिमाग़ी जंग का रोमांच अपने चरम पर है। द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 2025 का भव्य शुभारंभ डॉ. अरुण चतुर्वेदी, अध्यक्ष - राज्य वित्त आयोग, राजस्थान के करकमलों द्वारा हुआ। जानकारी को साझा करते हुए डॉ. जयेंद्र चतुर्वेदी, आयोजन सचिव एवं सीईओ, ने कहा कि उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा और खिलाड़ियों की जबरदस्त भागीदारी इस आयोजन को विशेष बना रही है। सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 4 में से 3 अंक बनाए। इन खिलाड़ियों की जुझारू जीतों ने स्थानीय दर्शकों की उम्मीदों को नई उड़ान दी है और यह साबित किया है कि जयपुर की नई पीढ़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के लिए तैयार है। कड़े मुकाबलों और दिग्गजों व उभरते खिलाड़ियों के टकराव के बीच यह प्रतियोगिता आने वाले दौरों में और भी रोमांचक होने जा रही है।

थंडरबोल्ट और कोंग्निवेरा एएससी की शानदार जीत

जयपुर, 6 सितम्बर। कैवलरी पोलो ग्राउंड में आर्मी कमांडर्स कप 2025 में थंडरबोल्ट पोलो टीम ने पहले सेमीफाइनल में अपनी उत्कृष्टता और तैयारी का प्रदर्शन किया और गोहिलवाड़ पोलो टीम को 9 - 2.5 के निर्णायक स्कोर से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में, कोंग्निवेरा एएससी पोलो टीम ने जयपुर पोलो टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 गोल के मुकाबले 4 गोल का प्रभावशाली स्कोर बनाया।

राजस्थान राज्य सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता में आज हुए नॉकआउट मुकाबले

अलवर, 6 सितम्बर। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में अलवर तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित राजस्थान सीनियर राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन राफेल यूनिवर्सिटी मैदान, नीमराना में जारी है। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से आए खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज भी शामिल हैं।

राज्य स्तरीय वीमेन टी-20 चैम्पियनशिप ट्रॉफी

जयपुर, 6 सितंबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की वीमेन अंडर 19 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर वीमेन 20 चैम्पयनशिपट्रॉफी के आज जयपुर में खेले गए मैचों में प्रतीक्षा सिंह का शानदार शतक, पर्ल बनावत, सुरभि परिहार के अर्धशतक , धृति ,सिद्धि ,मैना , सरिता, नीतू के शानदार पारियां रेखा, हरमनदीप, आरती, दृष्टि, प्रियंका, मैना, वैष्णवी, कृष्णा, तनुश्री, कृतिका, रिमझिम अनुसका की शानदार गेंदबाजी रही।

जयपुर की पूजा शर्मा नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप के लिए राजस्थान टीम में शामिल

जयपुर, 6 सितंबर। अमृतसर में आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय सीनियर महिला फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 के लिए आज राजस्थान की टीम घोषित हुई जिसमें जयपुर जिले की पूजा शर्मा का चयन हुआ। जयपुर जिला फुटबाल संघ के पूर्व सचिव अब्दुल जब्बार ने बताया कि पिछले 10 दिन से भीलवाड़ा में सीनियर टीम के सिलेक्शन के लिए कैंप आयोजित हो रहा था जिसमें अपने प्रदर्शन के आधार पर जयपुर की पूजा शर्मा का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि पूजा शर्मा रॉयल फुटबॉल क्लब जयपुर की नियमित खिलाड़ी है। रॉयल फुटबॉल क्लब के डायरेक्टर डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत ने बताया कि उनके फुटबॉल क्लब की सभी शाखों पर पिछले 3 साल से महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने हेतु सभी उम्र की महिला खिलाड़ियों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इस अवसर पर अब्दुल जब्बार और डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत ने राजस्थान टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

श्रेयस अय्यर संभालेंगे भारत-ए टीम की कप्तानी

मुंबई, 6 सितम्बर। सीनियर पुरुष चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो बहु-दिवसीय मैचों के लिए भारत ए टीम का चयन किया है जिसकी कप्तानी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर संभालेंगे। केएल राहुल और मोहम्मद सिराज को दूसरे बहु-दिवसीय मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा और वे पहले बहु-दिवसीय मैच के बाद टीम में शामिल दो खिलाड़ियों की जगह लेंगे। यह श्रृंखला 16 सितंबर, 2025 से शुरू होगी और दूसरा बहु-दिवसीय मैच 23 सितंबर, 2025 को शुरू होगा। दोनों मैच लखनऊ में होंगे। बहु-दिवसीय मैचों के बाद तीन एकदिवसीय मैच होंगे, जो क्रमशः 30 सितंबर, 3 अक्टूबर और 5 अक्टूबर, 2025 को कानपुर में खेले जाएंगे। टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, एन जगदीशन (विकेट कीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान और विकेट कीपर), देवदत्त पडिक्कल, हर्ष दुबे, आयुष बदोनी, नितीश कुमार रेड्डी, तनुश कोटियन, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, खलील अहमद, मानव सुथार, यश ठाकुर।

गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश : राजस्थान के खिलाड़ियों ने जीते दो स्वर्ण सहित छह पदक

जयपुर, 6 सितम्बर। राजस्थान के खिलाड़ियों ने शनिवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम कोर्ट्स पर संपन्न गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल छह पदक जीते। राजस्थान के अमय महाजन ने बॉयज अंडर-9 के फाइनल में मध्य प्रदेश के दर्श मेहरोत्रा को 13-11, 11-6, 11-4 से हरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में राजस्थान के हार्विन सेठिया ने वीर लायल को 11-2, 11-2 से हरा कांस्य पदक हासिल किया। बॉयज अंडर-17 में सुभाष चौधरी ने उत्तर प्रदेश के राघव वशिष्ठ को 11-8, 11-4, 10-12, 11-2 से हरा स्वर्णिम सफलता हासिल की।

राजस्थान के लिए लक्षाण्या राजावत ने गर्ल्स अंडर-9 में रजत पदक जीता। लक्षाण्या को फाइनल मुकाबले में तुलसी मीरा के. से 12-10, 11-6, 11-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसी स्पर्धा में राजस्थान की एक और खिलाड़ी नविका सोनी ने साहिशा मोदी को 11-7, 14-12 से हरा कांस्य पदक अपने नाम किया। राजस्थान को एक और कांस्य पदक गर्ल्स अंडर-19 में मिला। छवि सारण ने खुशबू को 11-5, 0-11, 12-10, 12-10 से हरा यह उपलब्धि हासिल की। गर्ल्स अंडर-19 में रुद्रा सिंह ने व्योमिका खंडेलवाल को 11-7, 17-11, 11-2 से हरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बॉयज अंडर-19 का स्वर्ण यूशा नफीस ने रचित शाह को 8-11, 5-11, 11-8, 11-5, 11-2 से हराकर जीता। आयुश वर्मा ने प्रयांशु कुमार को 11-3, 10-12, 10-12, 11-4, 11-8 से हरा कांस्य पदक जीता।

समापन समारोह में आईजी पुलिस डॉ. अमनदीप कपूर, आरएसआरए अध्यक्ष राजेन्द्र मेहता, सचिव धीरज सिंह और स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इससे पूर्व आज सुबह मुकाबले शुरू होने से पहले पूर्व अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी और राजस्थान में इस खेल के संरक्षक चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की माता जी के निधन पर शोक व्यक्त कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

अन्य फाइनल मैचों के परिणाम - अंडर-11 : बॉयज में हरिबाला के ने तिलकवीर कपूर को 11-9, 12-10, 8-11, 6-11, 11-9 से, गर्ल्स में आलिया कांकरिया ने मलेशिया की कीर्ति प्रधा को 10-12, 11-8, 11-9, 16-14 से हराया।

अंडर-13 : बॉयज में यूएसए के शायन समतानी ने अभ्युदय अरोड़ा को 11-5, 11-5, 12-10 से, गर्ल्स में शनाया परसरामपुरिया ने नंदिकाश्री कलइवनन को 11-7, 11-7, 11-6 से हराया।

अंडर-15 : बॉयज में श्रेयांस झा ने हर्शल राणा को 14-12, 11-5, 11-8 से, गर्ल्स में आद्या बुधिया ने वसुंधरा नानगरे को 12-10, 11-7, 10-12, 11-7 से हराया।

अंडर-17 : गर्ल्स में सहर नैयर ने सानवी कलंकी को 12-10, 11-1, 11-6 से हराया।

राजधानी

शिक्षा के साथ मिलेंगे सनातन संस्कार, हर विद्यार्थी बनेगा राष्ट्र का गौरव : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

श्री परशुराम ज्ञानपीठ के लोकार्पण पर जयपुर में गूंजे भगवान परशुराम के जयकारे

जयपुर। विप्र समाज की शिक्षा, स्वावलंबन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल करते हुए जयपुर के मानसरोवर में शनिवार को श्री परशुराम ज्ञानपीठ (सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड रिसर्च) का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भगवान परशुराम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर केंद्र का उद्घाटन किया और जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह संस्थान शिक्षा, विज्ञान और सनातन संस्कारों का केंद्र बनेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक सुशील ओझा सहित सभी पदाधिकारियों को इस पुनीत कार्य के लिए बधाई दी और कहा कि समाज की यह जिम्मेदारी है कि ऐसे शिक्षण केंद्र गांव-गांव में स्थापित हों, ताकि हर वर्ग के वंचित युवा मुख्यधारा से जुड़ सकें। मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने संबोधन में राजस्थान के समग्र विकास का खाका भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में बिजली, पानी, रोजगार और औद्योगिक विकास को लेकर ठोस कार्य किए जा रहे हैं। राइजिंग राजस्थान के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित किया है। हर वर्ष एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। पेपर लीक माफिया को जेलों में डालकर पारदर्शी परीक्षा प्रणाली लागू की गई है।

श्री परशुराम ज्ञानपीठ के शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को समाजबंधुओं ने भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट की।

- **ब्राह्मण महासंगम में जुटे हजारों विप्रजन, प्रकाशदास महाराज के भजनों से गूंजा माहौल**

बारिश की बाधा को दरकिनार कर नीरजा मोदी स्कूल ग्राउंड में एक विशाल विप्र महासंगम आयोजित हुआ, जहां संत गौ ऋषि प्रकाशदास महाराज के राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत भजनों ने जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में लगातार जय परशुराम के जयकारे गूंजते रहे। संस्थापक सुशील ओझा को वक्ताओं ने आधुनिक युग का भागीरथ बताते हुए कहा कि उनके प्रयासों से ही ईआरसीपी योजना साकार हुई और समाज को एक नई दिशा मिली है। समारोह में पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, वन मंत्री संजय शर्मा, महाराष्ट्र परशुराम बोर्ड के अध्यक्ष सतीश दामले, विधायक जेठानंद व्यास, ताराचंद सारस्वत, शत्रुघ्न गौतम, वरिष्ठ नेता सत्यनारायण शर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, विप्र फाउंडेशन अध्यक्ष राधेश्याम गुरुजी, समाजसेवी बाबूलाल पारीक, महावीर सोती, बनवारीलाल सोती, सत्यनारायण श्रीमाली, हरिप्रसाद शर्मा, जगदीश मिश्रा, परमेश्वर शर्मा सहित देशभर से आए कई गणमान्य विप्रजन उपस्थित रहे।

एनओसी जारी करने के आदेश

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधीन कार्यरत रही पूर्व एनटीटी शिक्षक को साल 2018 की भर्ती में नियुक्ति के लिए एनओसी जारी करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश रेणु शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि बताया कि याचिकाकर्ता एनटीटी भर्ती में चयनित होकर साल 2012 में प्रतापगढ़ के आंगनबाड़ी केंद्र में नियुक्त हुई थी। विभाग की ओर से साल 2018 में पुनः एनटीटी के पदों के लिए भर्ती निकाली। जिसमें

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

ई-ऑक्शन के माध्यम से

व्यावसायिक / आवासीय प्रीमियम संपत्तियों को खरीदने का सुनहरा अवसर

ई-ऑक्शन

दिनांक 22.09.2025 से 24.09.2025

बड़े व्यावसायिक भूखण्ड	आवासीय भूखण्ड		छोटे व्यावसायिक भूखण्ड
जयपुर में कुल 07 भूखण्ड	जयपुर में कुल 18 भूखण्ड	चुरु में	जयपुर में कुल 28 भूखण्ड
प्रताप नगर- 07	प्रताप नगर - 06	कुल 20	प्रताप नगर - 10
	वाटिका - 12	भूखण्ड	वाटिका - 18

आवेदन के लिए QR कोड स्कैन करें

RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in

ईएमडी राशि न्यूनतम बोली मूल्य की 2% होगी एवं बोली/ई-नीलामी आरम्भ होने से 5 दिन पूर्व जमा कराई जा सकेगी एवं 24 घंटे पूर्व तक स्वीकार की जा सकेगी।

वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी एवं अन्य शर्तों के लिए QR कोड स्कैन करें

*भवन निर्माण पैरामीटर्स भवन विनियम 2025 के अनुसार रहेंगे।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं 6376868696, 9460254319 मुख्य समन्वय अधिकारी श्री भारत भूषण जैन 9828363615 से सम्पर्क करें

आवासन आयुक्त

राजस्थान संवाद

आवेदन केवल ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से

जयघोष के बीच बप्पा को नम आंखों से दी विदाई

'अगले बरस तू जल्दी आ' के नारों से गूंजा जयपुर

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में गणेशोत्सव का समापन भावुक माहौल में हुआ। शनिवार को शहरभर में अलग-अलग समूह में भक्तगण पूजा-पंडालों और घरों में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमाओं को लेकर नाचते -गाते हुए तालाबों और जल स्त्रोतों के पास पहुंचे।

जिसके बाद जल स्त्रोतों के बाहर गणपति बाबा मोरया के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। जल महल झील, मावठा, सागर, चंदलाई बांध सहित कृत्रिम तालाबों में भी गणपति बाबा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

शहरभर से अलग-अलग समूह में बाबा के भक्तगण प्रथम पूज्य की प्रतिमा को लेकर ढोल-नगाडों और आतिशबाजियों करते हुए रवाना हुए। कई जगह तो मराठी पारंपरिक वेशभूषा में भी श्रद्धालु गणेश जी महाराज के भजनों पर नृत्य करते हुए नजर आए। डीजे की धून पर थिरकते हुए श्रद्धालुओं ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। विशेष पूजा-अर्चना के बाद प्रथम पूज्य को छप्पन भोग अर्पित किए गए। जिसके बाद भक्तों ने उन्हे भावुक विदाई दी।

गणेशोत्सव के समापन पर शनिवार को श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की प्रतिमा को जल में विसर्जित किया।

- **मोदक भोग और आतिशबाजी संग भक्तों ने किए बप्पा के दर्शन**
- **ढोल- नगाड़ों और आतिबाजी के बीच हुआ मूर्ति विसर्जन**

अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर गणपति बाबा के जयकारों के साथ आमेर मावठा, कानोता बांध, गोनेर बंधा सहित कई नदी-तालाबों के घाट गूंज उठे। श्रद्धालु सजाई हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली, पिकअप और लोडिंग टेम्पो में झूमते-नाचते प्रतिमाओं को विसर्जन स्थल तक लेकर पहुंचे। विसर्जन से पूर्व श्रद्धालुओं ने धूप-दीप से पूजन किया और बप्पा को मोदक का भोग अर्पित किया। इसके बाद आतिशबाजी और बैंड-बाजों की गूंज के बीच प्रतिमाओं की शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से निकलकर घाटों तक पहुंची। नम आंखों और आस्था से भरे दिलों के साथ भक्तों ने बप्पा को विदा किया और उनके पुनः आगमन की कामना की।

बनीपार्क के माधव सिंह सर्किल स्थित माधव विलास में विराजमान गणपति बप्पा की श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पुष्पांजलि अर्पित की। ओमप्रकाश मालवानी ने बताया कि सोसायटी के सभी लोगों ने शाम को सामूहिक आरती की। आरती से पूर्व गणपति की नजर उतार कर गणेश वंदना की गई।

युवा हृदय सम्राट, जन नेता
राजनीति के चमकते सितारे
आदरणीय
सचिन पायलट जी
को जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं
7 SEPTEMBER 2025
महेश शर्मा
Ex राज्य मंत्री, राज सरकार
राजेश चौधरी
महासचिव प्रदेश कांग्रेस
श्रीमती गंगा देवी
पूर्व विधायक बगरू
सुनील पारवानी
महासचिव राज. प्रदेश कांग्रेस कमेटी
मो. इकबाल
सचिव PCC, Ex. VP RCA
महेन्द्र सिंह रलावता
कांग्रेस प्रत्याक्षी, अजमेर उत्तर
श्रीमती मंजू शर्मा
पूर्व उपाध्यक्षा विप्र कल्याण बोर्ड
गिरीश पारीक
महासचिव प्रदेश कांगेस
CA दिनेश श्रीमाली
सचिव राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, अध्यक्ष राजस्थान पावर लिफ्टिंग संघ
प्रभु चौधरी
चैयरमैन, प्रभुजी डेयरी ग्रुप
गोविन्द महनसरिया
Ex. सभापति, न.प. चूरू
गजेन्द्र सिंह सांखला
एक्स सचिव पीसीसी
शमशेर खोकर
पूर्व रणजी खिलाडी
मौ. शरीफ खान
PCC सदस्य
नरेन्द्र यादव
सदस्य पं.स. गोविन्दगढ
भंवरलाल सारण
सदस्य पं.स. सांभर
रामदयाल वर्मा
सरपंच कलवाडा
विनय पाल सिंह जादौन
जिम्मी बना, उपाध्यक्ष DCC जयपुर शहर
हंसराज चौधरी (गाता)
यूवा नेता, टोंक
अकबर खांन
एडवोकेट राज. हाईकोर्ट
हरीराम सूद
सचिव यूथ कांग्रेस राज.
जितेन्द्र खिंची
सचिव राज. यूथ कांग्रेस
बंशी मीणा
सदस्य PCC
गौग राज देवन्दा
जाट महासभा, गोविन्दगढ
अभिषेक सैनी
OBC विभाग
विजय शंकर तिवाडी
Ex. अध्यक्ष यूथ कांग्रेस, जयपुर शहर
श्रीमती टीना शर्मा
महिला कांग्रेस
गजानन्द शर्मा
पूर्व पार्शद, न.नि. बीकानेर
रोशन शर्मा
Ex. सचिव DCC, जयपुर शहर
निवेदक: समस्त कांग्रेस कार्यकर्ता